संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी

ॐ

■ वर्ष -17 ■ अंक-121 ■ रायपुर, सोमवार 28 सितंबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ■ CHHHIN/2010/34274 पृष्ठ 8 ■ मूल्य-1.50 रुपये

आज का पंचांग



वारः सोमवार
तिथिः आश्विन कृष्ण द्वितीया
पक्षः आश्विन पक्ष
मासः आश्विन (कृष्ण पक्ष)
ऋतुः वर्षा ऋतु
विक्रम संवतः 2083
शक संवतः 1948
नक्षत्रः रेवती
योगः ध्रुव
करणः तैतिल
चन्द्र राशिः मीन राशि में
सूर्य राशिः कन्या राशि में
अभिजीत मुहूर्तः दोपहर 12:05 से 12:53 तक।
विजय मुहूर्तः दोपहर 02:29 से 03:17 तक।
ब्रह्म मुहूर्तः प्रातः 04:53 से 05:41 तक।

यूपी में बारिश से 15 की मौत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण कई जिलों में जनजीवन प्रभावित हुआ है। पिछले 48 घंटों में प्रदेश के अलग-अलग जिलों में बारिश से जुड़ी घटनाओं में 15 लोगों की मौत हुई है।

इसके अलावा पशु हानि और किसानों की फसलों को भी नुकसान पहुंचा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रशासनिक अधिकारी फील्ड में उतरकर राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया था कि अधिक बारिश के चलते हुई जनहानि, पशु हानि और घायलों को 24 घंटे के भीतर मुआवजा उपलब्ध कराया जाए। सीएम के निर्देश के बाद जिलाधिकारियों ने प्रभावित परिवारों और पीड़ितों के परिजनों को मुआवजा देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्रशासन की ओर से बारिश से प्रभावित लोगों तक जल्द से जल्द आर्थिक सहायता पहुंचाई जा रही है।

कचहरी में महिला से मारपीट

महराजगंज। उत्तर प्रदेश के महराजगंज जिला कचहरी परिसर से एक बेहद चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां परिवार न्यायालय में भरण-पोषण और दहेज उत्पीड़न के मुकदमे की तारीख पर आई एक विवाहिता महिला और उसके परिजनों के साथ कुछ लोगों ने धक्का-मुक्की और मारपीट की। इस पूरी घटना का किसी ने वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में कुछ लोग महिला और उसके परिवार के सदस्यों के साथ हाथापाई करते और बदसलूकी करते साफ दिखाई दे रहे हैं। कचहरी जैसे सुरक्षित माने जाने वाले स्थान पर दिनदहाड़े हुई इस घटना के बाद वहां हड़कंप मच गया।

SIR पर राहुल गांधी के सवाल का मुख्यमंत्री ने दिया जवाब

कांग्रेस नेता राहुल गांधी देशद्रोही आचरण पर उतारू हो गए हैं : साय

रायपुर ■ दैनन्दिनी

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के साथ मुख्य चुनाव आयुक्त पर उठाए जा रहे सवालों का मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रेस वार्ता के जरिए जवाब दिया है. उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी देशद्रोही आचरण पर उतारू हो गए हैं. एक आदतन अपराधी की तरह कार्य कर रहे हैं. राहुल गांधी की अगुवाई में कांग्रेस की तमाम संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने में जुटी हुई है.

बीजेपी प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में उप मुख्यमंत्री अरुण साव, भाजपा के मुख्य प्रवक्ता एवं सांसद संतोष पांडे, महामंत्री अखिलेश सोनी, नवीन मारकंडे, मीडिया प्रभारी हेमंत पाणिग्रही की मौजूदगी में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से एसआईआर के मुद्दे पर मीडिया से चर्चा की. मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के मुख्य चुनाव आयुक्त के साथ तीनों चुनाव आयुक्त के संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस से साबित हो गया है, कि चुनाव आयोग में किसी तरह का मतभेद नहीं है. बल्कि कांग्रेस के तमाम दावे न केवल खोखले हैं, बल्कि जानबूझकर देश की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने और भारत की संवैधानिक व्यवस्था को कमजोर करने की राहुल गांधी की सोची-समझी साजिश है. चुनाव आयोग की प्रेस नोट से दूध का दूध और पानी का पानी हो गया है. यह फिर से साबित हो गया है कि कांग्रेस सिर्फ



और सिर्फ झूठ और सनसनी फैलाने का काम कर रहा है. और उसका झूठ फिर से एक बार बेनकाब हो गया है. आयुक्त ने अपने संयुक्त बयान में स्पष्ट कर दिया है कि एसआईआर का फैसला तीनों चुनाव आयुक्तों की सहमति से लिया गया है.

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के चुनाव आयोग की दुनियाभर में साख है, दुनियाभर में सराहना होती है. लेकिन विपक्ष का यह सवाल उठाना कांग्रेस की हताशा का परिणाम है. और कांग्रेस लगातार इस हरकत से बाज नहीं आती है. अखबार की जिस रिपोर्ट को आधार बनाया गया है, वह मात्र कोरी कल्पना के अलावा कुछ नहीं है. कैबिनेट सेक्रेटरी को लिखे गए पत्र का जिक्र है, जिसका नीतिगत विषय से कोई संबंध नहीं है. न वह एसआईआर से संबंधित है. वह एक सामान्य प्रशासकीय विषय है.

केंद्रीय चुनाव आयोग केवल राष्ट्रपति के प्रति ही जवाबदेह है, इसीलिए कैबिनेट सचिव को किसी भी नीतिगत विषय पर पत्र लिखने का कोई तुक ही नहीं है, न ही आयुक्तों ने ऐसा कोई पत्र लिखा है. जिन विषयों पर सुप्रीम कोर्ट ने अपनी सहमति दे ही है, ऐसी विषयों पर काँग्रेस झूठ फैलाने का प्रयास कर रही है. साय ने कहा कि कांग्रेस को बेबुनियाद आरोप लगाने के बजाए तथ्यों को परखना चाहिए. कांग्रेस जनता की अदालत में पराजित होती है, तो वो संवैधानिक संस्थाओं पर आरोप लगाकर अपना खीज निकालती है. भारत देश की जनता बहुत अच्छे से जानती है कि हर एक चुनाव निष्पक्षता से हुए है. कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी पूरे देश से सार्वजनिक रूप से माफ़ी मांगनी चाहिए. उन्होंने कहा कि राहुल गांधी एक आदतन अपराधी की तरह कार्य कर रहे है. राहुल गांधी को हर बार अपने कृत्य पर माफ़ी भी माँगनी पड़ती है। लेकिन फिर भी वो बाज नहीं आते है, राहुल गाँधी अपनी पुरानी आदतों पर आ जाते है. राहुल गाँधी की जितनी निंदा की जाए कम है. राहुल गांधी ईवीएम पर सवाल उठाते रहे है, लेकिन उसी ईवीएम से जीतकर उनके देशभर में 600 से अधिक विधायक हैं, लोकसभा सदस्य हैं. राहुल गांधी ईवीएम पर सवाल उठाते हैं, ब्लैक बॉक्स कहते हैं, लेकिन क्या राहुल गांधी अपने पद से इस्तीफा देंगे?

मौत के मुंह से बच निकले 70 बस यात्री!

रायपुर ■ दैनन्दिनी

राजधानी रायपुर के पास सारागांव में शनिवार को उस वक्त हड़कंप मच गया, जब कोल्हान नाले के तेज बहाव में जय अंबे की बस फंस गई. रायपुर से बलौदाबाजार जा रही बस में 70 यात्री सवार थे. मार्ग पर पानी के तेज बहाव के कारण सुरक्षा के लिए पुलिस तैनात थी. बाकी वाहनों की तरह बस को भी आगे जाने से रोका गया, लेकिन चालक ने ब्रेक नहीं लगाया. जानकारी के मुताबिक, विधानसभा थाना क्षेत्र के कोल्हान नाले में पानी के तेज बहाव को देखकर बस में सवार



यात्रियों ने चालक को आगे जाने से मना किया. इसके बावजूद वह बस को आगे बढ़ाता गया. आगे से आ रही ट्रकों को रास्ता देने के लिए बस को साइड देना पड़ा. तभी तेज बहाव में बस फंस गई, जिससे यात्रियों में हड़कंप मच गया. कुछ लोगों ने घबराकर खिड़की से बाहर कूदने की तैयारी कर ली थी.

स्थिति को संभालते हुए पुलिसकर्मियों और ग्रामीणों ने बस के पास पहुंचकर लोगों को बाहर निकाले की प्रक्रिया शुरू की. दाई ओर की खिड़की से यात्रियों को बाहर निकाला गया. रेस्क्यू अभियान में ग्रामीणों ने भी पुलिस की मदद की. सभी 70 यात्रियों को सुरक्षित बचा लिया गया. पुलिस की सतर्कता से बड़ा हादसा टल गया. पुलिस ने बस चालक को हिरासत में ले लिया है. पूछताछ में चालक से पता लगाया जा रहा कि चेतावनी के बावजूद उसने बस को आगे क्यों बढ़ाया. साथ ही बस परमिट, ड्राइविंग लाइसेंस समेत अन्य दस्तावेजों की पड़ताल की गई. सीएसपी विधानसभा वीरेंद्र चतुर्वेदी ने बताया कि शनिवार को कोल्हान नाले में पानी का बहाव बढ़ा हुआ था. मौके पर मौजूद टीम वाहनों को आगे जाने से रोक रही थी.

दर्दनाक हादसाः दो कच्चे मकान ढहे एक महिला की मौत, 4 घायल

रायगढ़/गरियाबंद। (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में देर रात अलग-अलग जिलों में दो हादसे हुए हैं। रायगढ़ में कच्चा मकान गिरने से एक महिला की मौत हो गई, जबकि गरियाबंद में सोते परिवार पर मकान गिरने से चार लोग घायल हो गए।

पहली घटना पुसौर ब्लॉक के नंदेली गांव की है, जहां देर रात करीब 3 बजे कच्चा मकान अचानक भरभराकर गिर गया। हादसे में रोहिणी महंत (40), रतन महंत (42) और उनके 13 वर्षीय बेटे शिवम महंत मलबे में दबकर घायल हो गए।

जानकारी मिलते ही पुलिस और स्थानीय लोगों ने परिवार को मलबे से बाहर निकाला और पुसौर अस्पताल पहुंचाया। गंभीर रूप से घायल रोहिणी महंत को डॉक्टरों ने मेडिकल कॉलेज रेफर किया, लेकिन रास्ते में उनकी मौत हो गई। रतन और शिवम का इलाज जारी है। दूसरी घटना मैनपुर ब्लॉक के



राजापड़ाव क्षेत्र अंतर्गत गौरगांव में हुई है, जहां आधी रात सो रहे परिवार पर मकान भरभराकर गिर गया। हादसे में परिवार के चार लोग घायल हो गए। मकान गिरने के बाद इलाके में चीख-पुकार मच गई। वहीं बाढ़ के कारण घायलों को अस्पताल पहुंचाना भी चुनौती बन गया, जिसके बाद 112 की टीम की मदद से खाट के सहारे नदी पार कराकर घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया।

महानदी उफान पर; शवरी पुल पर 6 फीट ऊपर बह रहा पानी

जांजगीर-चाम्पा (एजेंसी)। प्रदेश में बीते तीन दिनों तक हुई लगातार बारिश से तमाम नदियां उफान पर है.

नगर के शवरी पुल पर 6 फ़ीट ऊपर पानी बह रहा है, जिसकी वजह से जांजगीर का शिवरीनारायण का सम्पर्क टूट गया है. महानदी के तट तोड़कर बहने से नगर के बिलासपुर रोड और केरा रोड में पानी भर गया है. आलम यह है निचली बस्तियों में पानी भरने के बाद लोगों को सुरक्षित स्थानों पर रखा गया है. वार्ड एक में पानी भरने की वजह से वार्ड के लोगों को संस्कृतिक भवन में रखा गया है. मेला ग्राउंड में भी पानी गया है. पानी के भराव की वजह से लोग नाव में सवार होकर आना-जाना कर रहे है.

स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन ने फंसे हुए लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए एसडीआरएफ की टीम तैनात किया है.

प्रेमानंद महाराज के शिष्य की संदिग्ध मौत

वृंदावन (एजेंसी)। यूपी के मथुरा-वृंदावन के प्रसिद्ध संत प्रेमानंद के शिष्य रसिक बिहारी शरण की संदिग्ध हालात में मौत की खबर सामने आई है। वह उस आश्रम में रहते थे, जहां साधक रहा करते थे। इस आश्रम की चौथी मंजिल की छत से गिरकर उनकी मौत की बात सामने आई है। हालांकि मौत की असली वजह क्या है, ये अभी पता नहीं लग सका है। पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है। इस घटना पर मथुरा के एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह का बयान सामने आया है। उन्होंने बताया, "12.30 बजे दिन की घटना बताई गई है। एक रसिक बिहारी शरण, जिनका असली नाम दीपक लोधी



है और जो जबलपुर मध्य प्रदेश के निवासी हैं, केलीकुंज प्रेमानंद जी के यहां साधक के रूप में रहते थे। इनकी चार मंजिला साधकों के आवास से संदिग्ध परिस्थितियों में गिरकर मौत की खबर पर पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची।" एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह ने बताया, "कमरे की जांच पड़ताल की गई है और फोन से फोरेंसिक एविडेंस इकट्ठे किए जा रहे हैं। इनके परिवार के लोग जबलपुर से आ चुके हैं। इनकी माता और भाई आए हैं। उनसे एक प्रार्थना पत्र भी मिला है।

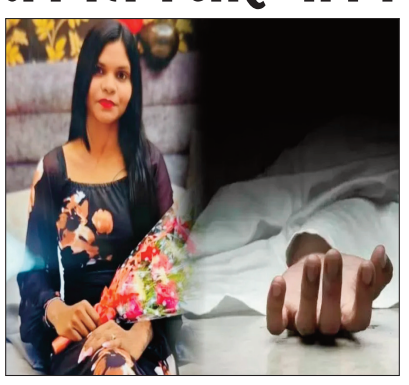
दोस्तों के साथ खेल रहा 7 साल का मासूम नाले में बहा

धमतरी। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र के सोरिद वार्ड में रविवार को दर्दनाक हादसा हो गया। भर्रीपारा निवासी तीसरी कक्षा में पढ़ने वाला 7 वर्षीय लक्ष्य साहू दोस्तों के साथ खेलते समय तेज बहाव वाले नाले में बह गया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। प्रशासन और बचाव दल बच्चे की तलाश में जुटे हैं।

जानकारी के मुताबिक, लक्ष्य अपने दोस्तों के साथ खेल रहा था। खेलते-खेलते वह नाले के पास पहुंच गया। इसी दौरान अचानक उसका पैर तेज बहाव वाले पानी की चपेट में आ गया और वह बह गया। लगातार दो दिनों से हुई बारिश के कारण नाले में पानी का बहाव तेज है। आशंका जताई जा रही है कि बच्चा नाले की सुरंग में फंस गया है। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर बड़ी संख्या में लोग जुट गए। प्रशासन और रेस्क्यू टीम ने बच्चे की तलाश शुरू कर दी है। हालांकि, अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि बच्चा पानी के बहाव में कहां तक बहा है या नाले के किस हिस्से में फंसा है।

लॉज में युवती की संदिग्ध मौत से सनसनी बॉयफ्रेंड से मिलने आई थी पिंकी

धमतरी (एजेंसी)। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित सीजी-05 रेस्टोरेंट लॉज में कवर्धा की एक युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका की पहचान पिंकी मानिकपुरी के रूप में बताई जा रही है। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। बताया जा रहा है कि पिंकी अपने बॉयफ्रेंड से मिलने धमतरी आई थी। दोनों लॉज के एक कमरे में ठहरे हुए थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ। विवाद के कुछ देर बाद युवती कमरे के अंदर फांसी के फंदे पर लटकी मिली।



घटना के बाद युवती की मौत को लेकर सवाल उठ रहे हैं। हत्या की आशंका भी जताई जा रही है। हालांकि, पुलिस की शुरुआती जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और घटना से जुड़े लोगों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस के मुताबिक, मौत की वास्तविक वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

रिपोर्ट और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस मामले की तहकीकात में जुटी हुई है।

चिल्फी घाटी में तीन ट्रकों की टक्कर, यातायात ठप्प

कवर्धा ■ एजेंसी

कबीरधाम जिले के चिल्फी घाटी क्षेत्र में रविवार को तीन ट्रकों के दुर्घटनाग्रस्त होने से रायपुर-जबलपुर नेशनल हाईवे-30 पर यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया। हादसे के बाद सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। जाम में यात्री बसों, कारों, ट्रकों समेत बड़ी संख्या में वाहन फंस गए, जिससे राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। जानकारी के अनुसार, यह हादसा चिल्फी थाना क्षेत्र के दुलदुला गांव के पास हुआ। बताया जा रहा है कि जबलपुर



की ओर से रायपुर की दिशा में जा रहा एक ट्रक सड़क पर खड़ा था, इसी दौरान वहां से गुजर रहे दो अन्य ट्रकों के बीच क्रॉसिंग के दौरान टक्कर हो गई। दुर्घटना के बाद तीनों ट्रक सड़क पर फंस गए, जिसके चलते हाईवे पर वाहनों का आवागमन बाधित हो गया। हादसे के कुछ ही समय बाद हाईवे पर दोनों दिशाओं में वाहनों की लंबी कतार लग गई। रायपुर और जबलपुर की ओर जाने वाले यात्री और मालवाहक वाहन जाम में फंस गए। चिल्फी घाटी में पहले से ही भारी वाहनों की आवाजाही अधिक होने के कारण जाम का असर काफी दूर तक दिखाई दिया।

घटना की सूचना मिलते ही चिल्फी पुलिस मौके पर पहुंची और यातायात व्यवस्था संभालने में जुट गई। पुलिस द्वारा दुर्घटनाग्रस्त ट्रकों को सड़क से हटाने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि हाईवे पर यातायात को दोबारा सुचारू किया जा सके।

फिलहाल, हादसे में किसी के हताहत होने की जानकारी सामने नहीं आई है।

'सर्जिकल स्ट्राइक' आतंकवाद से निपटने की भारत की नीति का एक नया साहसिक उदाहरण : पीएम मोदी

प्रधानमंत्री मोदी की 'मन की बात'

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम में कहा कि भारत आतंकवाद को कतई बर्दाश्त न करने की नीति पर काम करता है। उन्होंने 2016 के सैन्य अभियान को याद करते हुए स्पष्ट किया कि देश विरोधी हरकतों का मुंहतोड़ उत्तर दिया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि 2016 में की गई 'सर्जिकल स्ट्राइक' आतंकवादी हमलों का दर्द झेल रहे भारत का निर्णायक जवाब थी और इसने आतंकवाद से निपटने की देश की नीति का एक साहसिक उदाहरण दुनिया के सामने पेश किया। मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में कहा कि भारत आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति पर चलता है और देश ने स्पष्ट कर दिया है कि आतंकवाद का कड़ा



एवं निर्णायक जवाब दिया जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय सेना ने जम्मू-कश्मीर के उरी में सेना के एक शिविर पर आतंकवादी हमले के बाद 28-29 सितंबर 2016 को नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार आतंकवादियों के ठिकानों पर 'सर्जिकल स्ट्राइक' की थी।

उन्होंने कहा कि भारत के वीर जवानों ने जिस तरह नियंत्रण रेखा पार कर आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई की, उससे पूरी दुनिया हैरान रह गई थी।

मोदी ने कहा, ''भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि आतंकवाद का कड़ा और निर्णायक जवाब दिया जाएगा। 'सर्जिकल स्ट्राइक' ने आतंकवाद से निपटने की भारत की नीति का एक नया साहसिक उदाहरण पूरी दुनिया के सामने पेश किया।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने आतंकवादी हमलों का दर्द लंबे समय तक सहा और 'सर्जिकल स्ट्राइक' इसका निर्णायक जवाब थी।

उन्होंने कहा, ''भारत आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति पर चल रहा है।'' भारतीय सेना ने उरी में सेना के शिविर पर आतंकवादी हमले के बाद नियंत्रण रेखा के पार आतंकवादियों के ठिकानों पर 'सर्जिकल स्ट्राइक' की थी। मोदी ने जारी जनगणना प्रक्रिया का उल्लेख करते हुए कहा कि जनगणना एक राष्ट्रीय जिम्मेदारी है और इसमें हर नागरिक की भूमिका है। उन्होंने लोगों से जनगणना के दौरान ऑनलाइन गणना सुविधा का लाभ उठाने का भी आग्रह किया।

प्रधानमंत्री ने मादक पदार्थों के खिलाफ लड़ाई का जिक्र करते हुए कहा कि देश के युवा नशे के खिलाफ एकजुट हो रहे हैं। उन्होंने कहा, '''नशा मुक्त युवा अभियान' के माध्यम से युवा रचनात्मक अभियानों और गतिविधियों के जरिए जागरूकता फैला रहे हैं।''

चुनाव हारने पर ही ईवीएम और चुनाव आयोग पर सवाल उठाती है कांग्रेस : एकनाथ शिंदे

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर विपक्षी दलों पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश और केरल में जीत दर्ज करने पर कांग्रेस निर्वाचन आयोग पर कोई सवाल नहीं उठाती।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने रविवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर विपक्ष पर निशाना साधा और कहा कि जब कांग्रेस चुनाव जीतती है तो वह निर्वाचन आयोग पर हमला नहीं करती।

सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की घटक शिवसेना के प्रमुख शिंदे ने विपक्ष पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दल चुनाव हारने के बाद ही निर्वाचन आयोग और ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हैं। उपमुख्यमंत्री की यह टिप्पणी कांग्रेस और कई अन्य दलों तथा संगठनों की ओर से कुमार को हटाने की मांग के बीच आई है।

स्वरा भास्कर ने पहना 'मोटी' लिखा ब्लाउज, देखकर वीरेंद्र सहवाग ने पूछी वजह तो बोलीं- 'लोग मुझे यही बुलाते हैं'

मुंबई (एजेंसी)। 'राइज एंड फॉल सीजन 2' की शुरुआत हो चुकी है और शुरू होते ही ये शो चर्चा में आ गया है। शो को शुरू हुए 1 ही दिन हुआ है और कंटेस्टेंट्स के बीच नोंकझोंक भी शुरू हो गई है। इस बार वीरेंद्र सहवाग शो होस्ट कर रहे हैं। शो में स्वरा भास्कर ने भी बतौर कंटेस्टेंट एंट्री ली है और शो में एंट्री लेने के साथ ही उन्होंने ट्रोल्स को तगड़े अंदाज में जवाब दे दिया है। स्वरा भास्कर ने शो में पर्पल साड़ी पहनकर एंट्री ली थी, जिसके ब्लाउज ने सबका ध्यान अपनी तरफ खींच लिया। स्वरा के ब्लाउज में बड़े-बड़े अक्षरों में 'मोटी' लिखा था। ये देखकर वीरेंद्र सहवाग ने भी स्वरा से पूछ लिया कि उन्होंने अपने ब्लाउज में 'मोटी' क्यों लिखवाया है, जिसका जवाब देते हुए स्वरा ने बताया कि बॉडी शेमिंग के चलते उन्होंने ये शब्द अपने ब्लाउज में लिखवाया है।



स्वरा भास्कर ने पहना 'मोटी' लिखा ब्लाउज

स्वरा भास्कर ने बताया कि जब से उनकी बेटी का जन्म हुआ है, उनका वजन काफी बढ़ गया है। उनके बढ़े वजन को लेकर उन्हें सोशल मीडिया यूजर्स ने मोटी का टैग दे दिया है। इसीलिए उन्होंने इस टैग को गर्व से अपनाकर ट्रोल्स को जवाब दिया है। स्वरा के अनुसार, लोग उन्हें उनके बढ़े वजन के चलते अलग-अलग नामों से बुलाते हैं। सोशल मीडिया पर लोग उन्हें 'मोटी', 'भैंस', 'हाथी', 'हिप्पो' और 'गाय' जैसे शब्दों से बुलाते हैं। स्वरा कहती हैं कि ये उनके लिए सिर्फ एक शब्द नहीं है, बल्कि पिछले तीन सालों में झेली गई ट्रोलिंग का जवाब भी है।

ट्रोलिंग पर स्वरा भास्कर का जवाब

स्वरा भास्कर कहती हैं- 'मेरी बेटी अभी तीन साल की है। जब से मेरी बेटी का जन्म हुआ है, अजनबियों ने जिन्हें मैं जानती तक रहीं हूं सोशल मीडिया और दूसरी जगह पर मुझे खूब ट्रोल किया। मोटी हो गई है, भैंस हो गई है, हिप्पो हो गई है, हाथी हो गी है। तो मैंने कहा कि हां मैं ये हो गई हूं और अब आपके शब्दों को स्वीकार करती हूं।' इस तरह स्वरा ने ट्रोल्स को जवाब दिया।

स्वरा भास्कर और शहजाद पूनावाला के बीच छिड़ी जंग

'राइज एंड फॉल 2' की बात करें तो शो में स्वरा भास्कर के अलावा करण पटेल, प्रियंका चाहर चौधरी, गौतम गुलाटी और शहजाद पूनावाला सहित कई सेलेब्स ने बतौर कंटेस्टेंट एंट्री ली है और पहले दिन से ही शो का माहौल राजनीतिक अखाड़े में बदल गया है। शो के शुरू होते ही शहजाद पूनावाला और स्वरा भास्कर में जबरदस्त जुबानी जंग देखने को मिली। पहले एपिसोड में ही दोनों एक-दूसरे पर तंज कसते दिखे। बातचीत के दौरान शहजाद ने स्वरा के पति फहद अहमद का भी जिक्र छेड़ दिया और देखते ही देखते बहस करियर तक भी पहुंच गई।

'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में कबीर के खिलाफ हुई मायरा अरमान की बेइज्जती नहीं सह पाएगी अभिरा की बेटी

'ये रिश्ता क्या कहलाता है' के अपकमिंग एपिसोड में भरपूर ड्रामा, इमोशनल उथल-पुथल से लेकर रिश्तों में बड़ा पेर बदल देखने को मिलेगा। इसके चलते पोद्दार हाउस में एक बार फिर से बड़ा धमाका होने वाला है, जिससे कबीर और मायरा के बीच दूरी आ जाएगी। दूसरी ओर, अभिरा-अरमान अपनी बेटी की लव लाइफ को दूसरा मौका देने वाले हैं। कबीर और मायरा की लव स्टोरी में हर दिन नया ड्रामा जुड़ रहा है, जिससे अरमान और अभिरा की जिंदगी और भी मुश्किल होने वाल है। हाल ही में मायरा और कबीर की प्रेम कहानी सामने आने के बाद सभी को बड़ा झटका लगा था।

अभिरा पर आरोप लगाना मायरा को पड़ा भारी

कहानी के मौजूदा ट्रैक के अनुसार मायरा सबके सामने कबीर के लिए अपने प्यार का इजहार करेगी, जिससे अभिरा और पोद्दार परिवार को सबके सामने शर्मिंदा होना पड़ेगा। हालांकि, मायरा यह मानने से इनकार कर देगी कि उसने कुछ गलत किया है और लगातार अपने माता-पिता अरमान-अभिरा के सामने कबीर और उसके साथ अपने रिश्ते का बचाव करते नजर आएगी। गुस्से में आकर मायरा अपनी मां अभिरा पर पक्षपाती होने का आरोप भी लगाते दिखाई देने वाली है। उसकी बातों से अरमान को बहुत गुस्सा आएगा है और वह मायरा को थप्पड़ मार देगा, जिससे वहां मौजूद सभी लोग हैरान रह जाएंगे।

मायरा के लिए कबीर लेगा अरमान से पंगा

हालांकि, थप्पड़ मारने वाली घटना में एक बड़ा मोड़ तब आएगा, जब कबीर को पता चलेगा कि अरमान ने मायरा को थप्पड़ मारा है तो वह गुस्से में उससे सवाल करेगा। कबीर पूछेगा कि अरमान ने मायरा पर हाथ कैसे उठाया और उसे चेतावनी देगा कि वह ऐसी हरकत दोबारा न करे, वरना उसे इसकी भरपाई करनी पड़ सकती है।

अरमान के अपमान पर मायरा का फूटा गुस्सा

'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में आगे दिखाया जाएगा कि मायरा एक दम से कबीर के खिलाफ हो जाएगी। सबको हैरान करने वाली बात मायरा का रिएक्शन होने वाला है।

भीड़ में पत्नी आलिया भट्ट की हिफाजत करते दिखे रणबीर कपूर

मुंबई (एजेंसी)। एंड वॉर' की टीम आलिया भट्ट, रणबीर कपूर, विक्की कौशल और डायरेक्टर संजय लीला भंसाली शनिवार, 26 सितंबर की रात मुंबई में डिनर के लिए मिले। घर जाने से पहले रेस्टोरेंट के बाहर इन स्टार्स को पैपराजी के लिए पोज देते हुए देखा गया। इस खास पल का एक और वीडियो सामने आया है, जिसमें आलिया भट्ट और रणबीर कपूर की खूबसूरत बॉन्डिंग देखने को मिली। हालांकि, जब कपल अपनी कार की ओर जा रहा थे तब रणबीर का पत्नी आलिया के लिए प्रोटेक्टिव अंदाज देखने को मिला, जिसने सभी का ध्यान खींचा। आलिया भट्ट और रणबीर कपूर के इस वीडियो पर सभी जमकर प्यार लुटा रहे हैं। आलिया पीले रंग की स्कर्ट और मैचिंग सूट सेट में बहुत खूबसूरत लग रही थीं। इस लुक को पूरा करने के लिए एक्ट्रेस ने बालों का नीट बन बनाया हुआ था। दरअसल, विक्की को अलविदा कहने के बाद आलिया भट्ट पति के साथ पैपराजी की भीड़ के बीच कार की ओर बढ़ने लगीं। इस दौरान रणबीर को भीड़ में अपनी पत्नी की हिफाजत करते देखा गया और उन्होंने उनकी कमर पकड़कर उन्हें रेस्टोरेंट के बाहर की भीड़-भाड़ से सुरक्षित कार में बैठते दिखे।



फातिमा सना शेख ने सलमान खान की तारीफ में पढ़े कसीदे, ट्रोल्स को मुंहतोड़ जवाब देने पर जताई खुशी

मुंबई (एजेंसी)। फातिमा सना शेख अपनी हालिया वेब सीरीज 'हुंकारः द रोर' के प्रमोशन के लिए 'बिग बॉस 20' के आने वाले 'वीकेंड का वार' एपिसोड में नजर आएंगी। रविवार के एपिसोड के प्रोमो में उन्हें होस्ट सलमान खान की तारीफ करते हुए दिखाया गया है, क्योंकि उन्होंने पिछले हफ्ते ट्रोल करने वालों को करारा जवाब दिया था। उन्होंने इस बात पर भी बात की कि जब सलमान खान जैसी बड़ी हस्ती वाला कोई व्यक्ति ऑनलाइन बुलीइंग के खिलाफ आवाज उठाता है तो उसका लोगों पर कितना गहरा असर होता है। एक्ट्रेस फातिमा सना ने सुपरस्टार की नेशनल टेलीविजन पर जमकर तारीफ की।

फातिमा सना ने सलमान खान की तारीफ की

फातिमा सना शेख ने ट्रोल करने वालों को जवाब देने के लिए सलमान खान की तारीफ की। रविवार के एपिसोड के प्रीकैप में फातिमा एक्टर सलमान से कहती हैं कि वह कुछ कहना चाहती हैं, जब सलमान उन्हें अपनी बात कहने के लिए कहते हैं तो वह कहती हैं, 'जिस तरह से आपने इस बार ट्रोल करने वालों को करारा जवाब दिया है। वह बहुत बड़ी बात है, क्योंकि जब आपकी पोजिशन वाला कोई व्यक्ति ऐसी बात करता है या किसी मुद्दे पर स्टैंड लेता है तो लोगों पर उसका बहुत गहरा असर पड़ता है।' प्रोमो में फातिमा की बात पर सलमान का रिएक्शन नहीं दिखाया गया है।



ट्रोल्स पर फूटा सलमान खान का गुस्सा

पिछले वीकेंड सुपरस्टार सलमान खान घर के दो सदस्यों के बीच हो रही लड़ाई को सुलझाते हुए अपना आपा खो बैठे। उन्होंने अपनी शर्ट और टोपी उतार दी और बताया कि कैसे 60 साल की उम्र में उन्हें उनके 'गंजेपन', शरीर और लुक्स के लिए ट्रोल किया जाता है। उन्होंने बताया कि उनका यह हेयरस्टाइल एक आने वाली फिल्म के लिए है और साथ ही उन्होंने कुछ हफ्ते पहले ही अपने एक करीबी दोस्त को खोने के बारे में भी बात की।

सेहत

शरीर में फाइबर की कमी होने पर दिख सकते हैं ये संकेत?

फाइबर हमारे शरीर के लिए बेहद ज़रूरी पोषक तत्व है। यह पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने के साथ, पेट की सेहत को बेहतर बनाने और मल त्याग को आसान बनाने जैसे कई कामों में मदद करता है। डाइट में इसकी कमी होने पर शरीर कई तरह के संकेत दे सकता है। कैलिफ़ोर्निया में रहने वाले गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉक्टर सौरभ सेठी ने ने ऐसे संकेत बताए जिनसे पता चलता है कि आपकी डाइट में फाइबर की कमी है



फाइबर की कमी होने पर शरीर देता है ऐसे संकेत

खाना खाने के बाद जल्दी भूख लगनाः डॉक्टर कहते हैं कि अगर किसी को खाना खाने के तुरंत बाद भूख लगती है, तो हो सकता है कि उस खाने में पर्याप्त फाइबर न हो।

खाना खाने के बाद ब्लड शुगर तेज़ी से बढ़नाः डॉक्टर सेठी ने बताया कि घुलनशील फाइबर कार्बोहाइड्रेट के अवशोषण को धीमा कर सकता है और खाना खाने के बाद ग्लूकोज़ के स्तर में होने वाली तेज़ी को कम करने में मदद कर सकता है।

बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़नाः डॉक्टर सेठी कहते हैं कि फाइबर की कमी होने पर शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ सकता है। बता दें, शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ने से हार्ट से जुड़ी बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है ।

मल का सख्त होनाः मल का सख्त होना भी फाइबर की कमी का एक मुख्य संकेत है। डॉक्टर सेठी ने बताया कि फाइबर मल की मात्रा बढ़ाता है और पानी को बनाए रखता है, जिससे मल त्याग करना आसान हो जाता है।

मल का ढीला होनाः डॉक्टर के अनुसार, फाइबर सिर्फ कब्ज के लिए नहीं है। घुलनशील, जेल बनाने वाला फाइबर पानी को अवशोषित कर सकता है और ढीले मल को सख्त करने में मदद कर सकता है।

कार्बोहाइड्रेट वाला खाना खाने के बाद थकानः डॉक्टर कहते हैं कि कार्बोहाइड्रेट वाला खाना खाना खाने के तुरंत बाद थकान महसूस होना शुगर क्रैश का संकेत हो सकता है, जो खाने में फाइबर की कमी की वजह से हो सकता है।

नियमित रूप से मल त्याग नहीं होनाः फाइबर की मात्रा बढ़ाने से कब्ज़ से पीड़ित लोगों में मल त्याग की फ्रीक्वेंसी में सुधार हो सकता है। डॉक्टर सेठी ने बताया कि कब्ज़ के कारण पेट पूरी तरह साफ नहीं हो पाता है, और सही प्रकार और मात्रा में फाइबर लेने से मल की बनावट और नियमितता में सुधार हो सकता है। **(एजेंसी)**

खाली पेट चाय-कॉफी पीने की आदत पड़ सकती है भारी

अगर आप भी बिना कुछ खाए-पिए सुबह चाय-कॉफी पीते हैं तो यह आदत आपके पेट को धीरे-धीरे नुकसान पहुंचा सकती है। आयुर्वेदिक हेल्थ कोच डिंपल जांगड़ा अपने यूट्यूब वीडियो बताया कि खाली पेट कैफीन लेने से कुछ लोगों में पेट में एसिडिटी और जलन जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। इससे एसिडिटी, रिफ्लक्स, सीने में जलन और पेट में असहजता महसूस हो सकती है। ऐसे में वो बता रही हैं कि खाली पेट किन चीजों का सेवन करना चाहिए और कॉफी का सेवन करते समय किन बातों का ध्यान रखना जरूरी है। आइए जानते हैं कॉफी पीते समय अपने पेट की सेहत का ख्याल कैसे रखें।



सुबह खाली पेट क्या पियें?

हेल्दी फैट से करें शुरुआतः गर्म पानी में 1 चम्मच घी डालकर पानी का सेवन करें। घी में मौजूद ब्यूटिरिक एसिड पेट की अंदरूनी परत की कोशिकाओं को सहारा देता है और गट बैरियर को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है।

जीरा, धनिया और सौंफ की चायः सुबह एक गिलास पानी में जीरा, धनिया और सौंफ डालें और फिर पानी को पिएं। यह पानी पाचन एंजाइम को बढ़ाता है, ऐंठन कम करता है साथ ही यह शरीर से हानिकारक टॉक्सिंस बाहर निकालता है और मेटाबॉलिज्म तेज करता है।

नाश्ते के बाद पिएं चाय-कॉफी

डिंपल जांगड़ा कहती हैं कि आप कॉफ़ी या चाय का सेवन बेशक कर सकते हैं बस खाली पेट न करें। नाश्ते के लगभग 45 मिनट बाद चाय या कॉफी पिएं, ताकि पेट में खाना हो और एसिड का असर कम हो सके। एक कप कॉफी में एक चम्मच घी, बादाम का मक्खन या नारियल का तेल मिलाने से पेट पर कैफीन का असर कम होता है। यानी आपको कॉफी छोड़नी नहीं है। बस खाली पेट इसे पीना बंद करना है। **(एजेंसी)**

कास्टिक सोडा से करें किचन सिंक की सफाई

हर घर में किचन सिंक का इस्तेमाल रोजाना होता है। वहीं कई बार इसमें बचा हुआ खाना फंस जाता है। ऐसा होने पर सिंक जाम हो जाता है और पानी का बहाव धीमा या फिर एकदम रुक जाता है। जिसके कारण यह न सिर्फ किचन की खूबसूरती को कम करता है, बल्कि पानी फंसने के कारण इससे दुर्गंध भी आने लगती है। ऐसे में अगर आपके घर की किचन सिंक भी अक्सर जाम हो जाती है। तो इन तरीकों को आजमाने से किचन सिंक चमक उठेगा और इसमें जमा गंदगी भी साफ हो जाएगी।

कास्टिक सोडा से करें किचन सिंक की सफाई

किचन सिंक की कास्टिक सोडा से सफाई करने के लिए सबसे पहले हाथों में ग्लव्स पहन लें।

इसके बाद कास्टिक सोडा, बेकिंग सोडा, सिरका और लिक्विड डिश वॉश को एक बाउल में डालकर अच्छे से मिक्स कर लें।

फिर स्क्रबर की सहायता से इसको सिंक के चारों ओर लगाएं।

इस लिक्विड को सिंक में लगाने के बाद इसे 30 मिनट के लिए ऐसे ही थोड़ दें।

अब स्टील के स्क्रबर और ब्रश की सहायता से सिंक को रगडऩा शुरूकर दें।

धीरे-धीरे किचन सिंक में जमा सारी गंदगी साफ हो जाएगी।

यह तरीका भी कर सकते हैं ट्राई

यदि पहले तरीके से सिंक अच्छे से साफ न हुआ तो आप यह तरीका भी आजमा सकती हैं।

एक बाउल में कास्टिक सोडा और बाथरूम क्लीनर मिक्स कर लें।

इस मिक्सचर को स्क्रबर की सहायता से 20 मिनट के लिए किचन सिंक पर लगा दें।

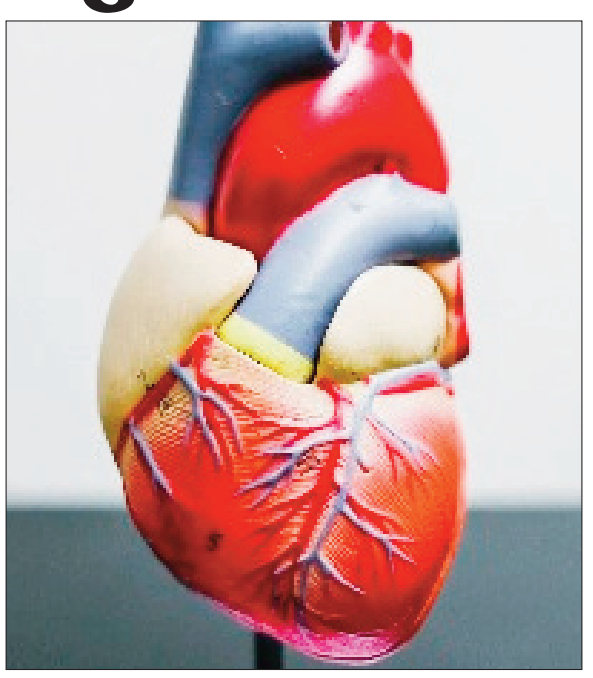
फिर समय पूरा होने पर सिंक को स्क्रबर से रगड़ें।

इसके साथ ही सिंक के जाम को सही करने के लिए दो कटोरी कास्टिंक सोडा सिंक में डाल दें।

अब ऊपर से ठंडा पानी जालकर इसे 30 मिनट के लिए ऐसे छोड़ दें।

बैड कोलेस्ट्रॉल के अलावा भी दिल को नुकसान पहुंचा सकते हैं ये 6 कारण

शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ने का का मतलब है आपके दिल की धमिकयों में ब्लॉकेज की वजह से उसका कमजोर होना। लेकिन क्या आप जानते हैं सिर्फ बैड कोलेस्ट्रॉल की वजह से ही दिल कमजोर नहीं होता है। गोरखपुर स्थित रीजेंसी हॉस्पिटल में कंसल्टेंट-कार्डियोलॉजी डॉक्टर प्रियंका सिंह, बता रही हैं बैड कोलेस्ट्रॉल के अलावा किन वजहों से आपका हार्ट कमजोर हो सकता है?



बैड कोलेस्ट्रॉल के अलावा किन वजहों से हो सकता है हार्ट अटैक:

ब्लड प्रेशर - हार्ट कमजोर होएं के पीछे हाई बीपी भी एक बहुत बड़ी वजह है। लंबे समय तक हाई बीपी की वजह से धमनियों पर लगातार दबाव पड़ता है, जिससे हार्ट को अधिक मेहनत करनी पड़ती है। इसलिए, समय-समय पर ब्लड प्रेशर की जांच करवाना और इसे नियंत्रित रखना दिल की लंबी उम्र के लिए ज़रूरी है।

ब्लड शुगर - डायबिटीज या बॉर्डरलाइन शुगर होने पर हार्ट अटैक का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। ग्लूकोज का बढ़ा हुआ स्तर रक्त वाहिकाओं को कमजोर कर सकता है। इसलिए, सिर्फ कोलेस्ट्रॉल की चिंता करने के बजाय ब्लड शुगर के स्तर पर भी नजर रखना बेहद जरूरी है।

नींद की कमी- कम सोने या खराब स्लीप पैटर्न के कारण शरीर में तनाव के हॉर्मोन बढ़ते हैं और ब्लड प्रेशर पर नकारात्मक असर पड़ता है। रोजाना 7 से 8 घंटे की गहरी और गुणवत्तापूर्ण नींद लेना दिल को रीचार्ज करने और उसे स्वस्थ रखने के लिए एक अचूक उपाय है।

सुस्त जीवनशैली - सुस्त या आरामदेह जीवनशैली दिल की मांसपेशियों को कमजोर बना सकती है। नियमित रूप से एक्सरसाइज, योग या तेज कदमों से वॉक न करने पर शरीर में कैलोरी और चर्बी जमा होने लगती है, जो मोटापे और दिल की बीमारियों को न्योता देती है।

तंबाकू और सिगरेट- तंबाकू या सिगरेट का सेवन दिल की सेहत के लिए सबसे बड़े और घातक खतरों में से एक है। इसमें मौजूद हानिकारक रसायन धमनियों को संकुचित करते हैं, रक्त के थक्के जमाने में मदद करते हैं और हृदय तक ऑक्सीजन की आपूर्ति को बाधित करते हैं। इसलिए दिल को सुरक्षित रखना है, तो तंबाकू उत्पादों से पूरी तरह दूरी बनाना सबसे जरूरी कदम है। **(एजेंसी)।**

फायदेमंद है अजवाइन, हींग और काला नमक का सेवन

डाइजेशन से जुड़ी समस्याओं को करता है दूर

अजवाइन हींग और काला नमक, तीनों ही डाइजेस्टिव गुणों से भरपूर है। अजवाइन जहां एंटीबैक्टीरियल है वहीं, हींग आपकी सेहत के लिए फायदेमंद है। हींग में कुछ डाइजेस्टिव गुण होते हैं जो कि आंतों के काम काज को तेज करते हैं। इसके अलावा काला नमक पेट में हाइड्रेशन को बढ़ाता है और एक लैक्सटेसिव की तरह काम करता है। इससे आंतों में थोक जुड़ता है और जिससे मल त्याग आसान हो जाता है। इतना ही नहीं ये पेट की कई समस्याओं में भी कारगर तरीके से काम करता है।

इन 3 समस्याओं में खाएं अजवाइन हींग और काला नमक

1. कब्ज में

अजवाइन हींग और काला नमक कब्ज की समस्या में कारगर तरीके से काम करते हैं। ये लैक्सटेसिव है जो कि मल त्याग को आसान बनाता है। ये आंतों की गतिविधियों को तेज करता है और मल त्याग को आसान बनाता है। इसके अलावा ये तीनों पानी को सोख लेते हैं और आंतों की गति को तेज कर देते हैं। इसकी वजह से बॉवेल मूवमेंट तेज होता है और मल त्याग को आसान बनाता है।

2. एसिडिटी और अपच में

एसिडिटी और अपच की समस्या में अजवाइन हींग और काला नमक का सेवन फायदेमंद है। ये पेट में बने अतिरिक्त गैस को बाहर निकालने और एसिडिटी को कम करने में मदद करता है। इसके अलावा ये सीने में जलन और जीआरडी के लक्षणों में कमी लाता है। साथ ही ये पेट के अस्तर को आराम पहुंचाता है जिससे एसिड रिफ्लक्स कम होता है। इतना ही नहीं ये खाना पचाने में मदद करता है जिससे अपच की समस्या नहीं होती है।

3. पेट दर्द में

पेट दर्द में ये तीनों ही चीजें कारगर तरीके से काम आती हैं। दरअसल, ये तीनों एंटीइंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर है जो कि पेट दर्द से आराम दिलाते हैं। ये आपके पेट में डाइजेस्टिव एंजाइम्स को बढ़ावा देते हैं जिससे पेट हो रही दर्द और सूजन में कमी आती है। **(एजेंसी)।**

संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक
दैनन्दिनी.

सोमवार 28 सितंबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

एक्शन टेसा का कारपेंटर कम्युनिटी को बड़ा तोहफा

चार नए निफिट प्रोग्राम लॉन्च

रायपुर (एजेंसी)। एक्शन टेसा,एक्शन ग्रुप का हिस्सा और वुड पैनल प्रोडक्ट्स के अग्रणी निर्माताओं में से एक ने पुरे भारत में 50 से अधिक स्थानों पर नेशनल कारपेंटर डे मनाया। इस वर्ष का आयोजन "संग संग चलें, आगे बढ़ें" थीम के तहत कारपेंटर कम्युनिटी और उनके परिवारों के साथ कंपनी की साझेदारी को मजबूत करने पर केंद्रित रहा। इस अवसर पर एक्शन टेसा के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री अजय अग्रवाल ने कहा, "कारपेंटर हमेशा से फर्नीचर और इंटीरियर इकोसिस्टम की रीढ़ रहे हैं और हमारी यात्रा का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। 'संग संग चलें, आगे बढ़ें' हमारा यह विश्वास दर्शाता है कि साथ मिलकर आगे बढ़ने से विकास और अधिक सार्थक बनता है। इस पहल के माध्यम से हम कारपेंटरों के काम के साथ-साथ उनके और उनके परिवारों के सपनों एवं आकांक्षाओं में भी भागीदार बनना चाहते हैं।" एक्शन टेसा, एक्शन ग्रुप का हिस्सा है और वुड पैनल कैटेगरी की एक अग्रणी कंपनी है। इसके प्रमुख प्रोडक्ट्स में एक्शन टेसा एचडीएचएमआर, बोइलो, मॉइस्ट मास्टर, मॉइस्ट्रो डोर्स और वुडन फ्लोरिंग शामिल हैं। कंपनी फर्नीचर और इंटीरियर इकोसिस्टम की बदलती जरूरतों के अनुरूप प्रोडक्ट इनोवेशन और नए सॉल्यूशंस पर लगातार काम करती है।

30 सितंबर तक जिला मुख्यालय और विकासखंडों में लगेंगे सेवा सेतु कैंप

कोरबा। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिले में 28 से 30 सितंबर तक जिला मुख्यालय एवं विकासखंड स्तर पर सेवा सेतु कैंप आयोजित किए जाएंगे। इन कैंपों में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी नागरिकों तक पहुंचाई जाएगी। खाद्य शाखा द्वारा जारी निर्देश के अनुसार कैंपों में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, वन नेशन वन राशनकार्ड, राशनकार्ड की पात्रता और सार्वजनिक वितरण प्रणाली से संबंधित जानकारी दी जाएगी। राशनकार्ड के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया एवं आवश्यक दस्तावेजों के बारे में भी नागरिकों को बताया जाएगा। कैंपों में उचित मूल्य दुकान संचालकों के माध्यम से राशनकार्ड में पंजीकृत सदस्यों की ई-केवाईसी, आधार सीडिंग और मोबाइल नंबर सीडिंग का कार्य कराया जाएगा। खाद्यान्न एवं अन्य राशन सामग्री का सैंपल प्रदर्शित किया जाएगा, ताकि हितग्राही वितरित सामग्री की जानकारी प्राप्त कर सकें। विभागीय योजनाओं और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम से संबंधित पोस्टर तथा वीडियो क्लिप भी प्रदर्शित किए जाएंगे। सार्वजनिक वितरण प्रणाली से जुड़ी शिकायतों के लिए उपलब्ध माध्यमों की जानकारी भी कैंप में दी जाएगी। राषनकार्ड से जुड़ी समस्या के संबंध में निराकरण की जानकारी के लिए मो.नं. 9425201983 में संपर्क किया जा सकता है। नागरिकों को भारत सरकार के 'अन्न सहायता' पोर्टल, विभागीय कॉल सेंटर नंबर 1800-233-3663 तथा अन्य शिकायत निराकरण व्यवस्थाओं से अवगत कराया जाएगा। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने संबंधित अधिकारियों को कैंपों का आयोजन सुनिश्चित करने तथा उचित मूल्य दुकानों पर वितरित खाद्यान्न सामग्री के सैंपल प्रदर्शित कराने के निर्देश दिए हैं।

बस्तर में बाढ़ प्रभावितों के लिए स्वास्थ्य विभाग सक्रिय

जगदलपुर के राहत शिविरों में मिल रही 24×7 चिकित्सा सेवाएं, मोबाइल मेडिकल यूनिट भी तैनात

रायपुर ■ दैनन्दिनी

पिछले दिनों हुई मूसलाधार बारिश और चक्रवाती गतिविधियों के प्रभाव से बस्तर संभाग सहित आसपास के राज्यों में जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। जिले में बहने वाली इंद्रावती नदी के जलस्तर में भारी बढ़ोतरी तथा पड़ोसी राज्य ओडिशा के बांधों से लगातार छोड़े जा रहे पानी के चलते नदी और निचले डुबान क्षेत्रों में जलभराव की गंभीर स्थिति निर्मित हो गई है।

आपदा की इस घड़ी में बस्तर कलेक्टर श्री आकाश छिकारा के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन ने मोर्चा संभालते हुए राहत एवं बचाव कार्य तेज कर दिए हैं। स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए डुबान क्षेत्रों में बनाए गए राहत शिविरों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया जा रहा है, जिसमें स्थानीय स्वयंसेवी और सामाजिक संस्थाएं भी कंधे से कंधा मिलाकर सहयोग दे रही हैं। इसी क्रम में स्वास्थ्य विभाग ने मोर्चा संभालते हुए घाट पदमुर, डुरकीगुड़ा पारा और बस्तर क्षेत्र के कूड़कानार सहित तमाम प्रभावित इलाकों में अपनी टीमें मुस्तैद कर दी हैं।

शहरी क्षेत्र जगदलपुर के राहत शिविरों रह रहे प्रभावित परिवारों की सुरक्षा और उपचार के लिए स्वास्थ्य विभाग ने 24 घंटे आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं का मजबूत जाल बिछाया है। शहर के हाई स्कूल भैरमगंज, भगतसिंह हाईस्कूल, हाईस्कूल हाट कचोरा, टाउन हॉल,



लालबाग मैदान के सामने, कृष्ण मंदिर, शुभ लगन वाटिका, वीर सावरकर चौक, डोंगा घाट हाईवे क्षेत्र और अब्दुल कलाम वार्ड सहित विभिन्न शिविरों में चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टाफ की 24×7 ड्यूटी लगाई गई है। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए मोबाइल मेडिकल यूनिट और एंबुलेंस को अलर्ट मोड पर रखा गया है, ताकि जरूरतमंदों को त्वरित प्राथमिक उपचार और दवाएं उपलब्ध कराने के साथ गंभीर मरीजों को तत्काल बड़े अस्पतालों में रेफर किया जा सके। बाढ़ के पश्चात जलजनित और मौसमी बीमारियों की आशंका को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग के आला अधिकारी लगातार मैदानी स्तर पर सक्रिय हैं।

संयुक्त संचालक डॉ. महेश सांडिया सहित मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय बसाक, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. सी. मैत्री और जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. रीना लक्ष्मी ने विभिन्न शिविरों का भ्रमण कर चिकित्सकीय प्रबंधों, आवश्यक दवाओं की उपलब्धता और स्वच्छता व्यवस्था का जायजा लिया। अधिकारियों ने फील्ड स्टाफ को मुस्तैद रहने के निर्देश दिए हैं ताकि डायरिया, बुखार, उल्टी और अन्य संक्रामक बीमारियों के प्रसार को समय रहते रोका जा सके। प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे जलभराव और तेज बहाव वाले क्षेत्रों में जाने से बचें, शिविरों में मिलने वाले निर्देशों का पालन करें तथा पीने के लिए केवल स्वच्छ अथवा उबले पानी का ही प्रयोग करें। किसी भी प्रकार के स्वास्थ्य विकार या मौसमी बीमारी के लक्षण दिखने पर नागरिक तुरंत निकटतम शिविर अथवा तैनात स्वास्थ्य दल से संपर्क कर चिकित्सकीय सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

बीके स्पंज आयरन प्लांट का जोरदार विरोध, आम आदमी हजारों की संख्या में पहुंचकर दर्ज कराएं विरोध

रायगढ़ (दैनंदिनी)। बीएस स्पंज आयरन प्लांट को लेकर नवापारा घरघोड़ा ब्लॉक में आज जन सुनवाई है। इस प्लांट का विराध करते हुए मनोज शर्मा एल्डरमैन रायगढ़ नगर निगम ने कहा कि रायगढ़ जिले में ओवरलोड प्लांट लग गए हैं। रायगढ़ के हरे भरे पत्ते अपना अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रहे है या तो काले रंग में या फिर कटकर गिर जाना उनकी नियति बन गई है। उन्होंने कहा क अभी जानकारी हुई घरघोड़ा में नवापारा में फिर कोई जनसुनवाई है मतलब फिर एक जहर



उगलने वाली मशीन चिमनी का निर्माण होगा, यह कल्पना भयावह होना चाहिए। मतलब बड़ी बेशर्मी से अधिकारी जनसुनवाई करा रहे है सबको पता है यहां की हवा में जहर घुल चुका है। घातक बीमारियों की बाढ़ आ गई है। कैंसर और किडनी, फेफड़े की जानलेवा बीमारी एकदम सामान्य हो गई है। उस पर एक और प्लांट की जनसुवाई मतलब असंवेदना की पराकाष्ठा है यह जनसुनवाई भी कागज पर सफल हो जाएगी क्योंकि चंद दलाल सक्रिय हो चुके हैं। मगर इससे पहले मरेगा आम आदमी, धूल प्रदूषण को झेलने के लिए ही पैदा हुआ है और उसका विरोध नक्कारखाने की तूती बन जाएगी, प्रकृति की ताजी हवा का बताकर स्वरूप ही यह प्लांट लग रहा है।

श्री शर्मा ने कहा कि मेरा प्रधानमंत्री जी , मुख्यमंत्री जी, हमारे रायगढ़ के प्रभावी संवेदनशील मंत्री श्री ओपी चौधरी जी से आग्रह है कृपया इस जनसुनवाई को निरस्त करे आम आदमी को राहत दें। कहीं विकास की जगह हम विनाश तो नहीं कर रहे हैं। सनद रहे प्रकृति से बड़ा कोई न्याय नहीं कर सकता नहीं तो यह निश्चित रूप से होने वाला है कोई भयंकर आपदा आएगी। आम आदमी को बड़ी आबादी लेकर इस प्लांट का विरोध करना चाहिए।

मंत्री दयालदास बघेल ने ग्रामीणजनों के साथ सुना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संदेश

रायपुर ■ दैनन्दिनी



खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मंत्री श्री दयालदास बघेल ने आज नवागढ़ विधानसभा क्षेत्र के ग्राम टेमरी स्थित मावली माता मंदिर परिसर में ग्रामीणजनों के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' के 138वें कड़ी को ध्यान से सुना। इस अवसर पर ग्रामीणजनों ने प्रधानमंत्री श्री मोदी के विचारों और संदेशों को ध्यानपूर्वक सुना। मंत्री श्री बघेल ने कहा कि 'मन की बात' के माध्यम से प्रधानमंत्री देश के विभिन्न क्षेत्रों में हो रहे सकारात्मक कार्यों, जनभागीदारी और जनकल्याण से जुड़े विषयों को देशवासियों के साथ साझा करते हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

राज्यव्यापी महापरीक्षा में सरगुजा के 4198 नवसाक्षरों ने उत्साह से लिया भाग

रायपुर ■ दैनन्दिनी

पढ़ने-लिखने और सीखने की कोई उम्र नहीं होती। सरगुजा जिले में रविवार को आयोजित राज्यव्यापी महापरीक्षा अभियान में नवसाक्षरों के उत्साह और सहभागिता ने इस संदेश को साकार कर दिखाया। उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत जिले के 247 परीक्षा केंद्रों में 4198 नवसाक्षर शिक्षार्थियों ने महापरीक्षा में भाग लिया। खास बात यह रही कि कई केंद्रों में सास-बहू, पति-पत्नी, देवरानी-जेठानी और वरिष्ठ नागरिकों ने एक साथ परीक्षा दी, वहीं केंद्रीय जेल अम्बिकापुर के 96 नवसाक्षर बंदी भी महापरीक्षा में शामिल हुए। कलेक्टर श्री अजीत वसंत के मार्गदर्शन एवं जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री रोमा श्रीवास्तव के नेतृत्व में आयोजित महापरीक्षा के लिए जिले में 4306 परीक्षार्थियों का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। इसके विरुद्ध शाम 5 बजे तक 4198 शिक्षार्थियों ने परीक्षा दी। राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण रायपुर के निर्देशानुसार जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण द्वारा सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक परीक्षा आयोजित की गई। परीक्षा के सुव्यवस्थित एवं गुणवत्तापूर्ण संचालन के लिए जिला, विकासखंड और ग्राम पंचायत स्तर पर सतत मॉनिटरिंग की गई। महापरीक्षा को लेकर नवसाक्षरों में विशेष उत्साह देखने को मिला। कई परीक्षा केंद्रों में एक ही परिवार के सदस्य साथ-साथ परीक्षा देने पहुंचे। सास-बहू, पति-पत्नी और देवरानी-जेठानी ने एक साथ बैठकर परीक्षा दी। दिव्यांगजनों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता दर्ज कराई। 60 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं ने परीक्षा देकर यह संदेश दिया कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती।

बस्तर कमिश्नर डोमन सिंह ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का लिया जायजा

रायपुर ■ दैनन्दिनी

कमिश्नर बस्तर श्री डोमन सिंह ने रविवार को बस्तर जिले के जगदलपुर तहसील अंतर्गत बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लिया। उन्होंने राहत शिविरों में रह रहे प्रभावित परिवारों से रूबरू होकर उनके ठहरने, भोजन, पेयजल और स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावितों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए शासन-प्रशासन पूरी संवेदनशीलता के साथ प्रयासरत है।

कमिश्नर श्री सिंह ने जगदलपुर तहसील के प्राथमिक शाला भवन तामाकोनी, शहीद



भगतसिंह स्कूल तथा माध्यमिक शाला भवन नगरनार में स्थापित राहत शिविरों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से राहत शिविरों में उपलब्ध आवश्यक सुविधाओं की जानकारी लेते हुए प्रभावित परिवारों के ठहरने के लिए पर्याप्त स्थान वाले बड़े कैम्पस का चयन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राहत शिविरों में महिलाओं और पुरुषों के लिए पृथक-पृथक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही प्रभावितों के लिए भोजन और पेयजल की पर्याप्त एवं नियमित उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने राहत शिविरों में चिकित्सा दल की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करते हुए प्रभावितों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं आवश्यक उपचार करने तथा स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता देने के निर्देश दिए।

कमिश्नर ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में हैंडपंप, नल-जल योजना सहित अन्य पेयजल स्रोतों के जल परीक्षण पर विशेष जोर दिया।

उन्होंने कहा कि प्रभावित परिवारों को हर हाल में शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जाए, ताकि दूषित पानी से होने वाली संक्रामक बीमारियों की स्थिति निर्मित न हो।

72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में डॉक्यूमेंट्री 'राम-नामी' को सर्वश्रेष्ठ डॉक्यूमेंट्री का सम्मान मिलने पर मंत्री राजेश अग्रवाल ने रामनामी समुदाय को दी बधाई

रायपुर ■ दैनन्दिनी



पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल से आज नया रायपुर स्थित शासकीय निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक-सांस्कृतिक विरासत और अनूठी आस्था के प्रतीक रामनामी समुदाय के सदस्यों ने आत्मीय भेंट की। इस अवसर पर मंत्री श्री अग्रवाल ने रामनामी समुदाय की आस्था, परंपरा, जीवनशैली और सांस्कृतिक विरासत पर आधारित डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'राम-नामी' को 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ डॉक्यूमेंट्री का प्रतिष्ठित सम्मान मिलने पर समुदाय के सभी सदस्यों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि रामनामी समुदाय छत्तीसगढ़ की विशिष्ट लोक-सांस्कृतिक पहचान और आध्यात्मिक परंपराओं का महत्वपूर्ण हिस्सा है। समुदाय की आस्था, परंपराएं और जीवनशैली हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को पीढ़ी-दर-पीढ़ी जीवंत बनाए रखने का कार्य करती हैं। 'राम-नामी' डॉक्यूमेंट्री को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिलना पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय है।

उन्होंने कहा कि यह सम्मान केवल एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म की उपलब्धि नहीं है, बल्कि छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति, आध्यात्मिक परंपराओं और रामनामी समाज की जीवंत विरासत का राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान है। इस फिल्म के माध्यम से रामनामी समाज की विशिष्ट पहचान, उनकी आस्था और सांस्कृतिक जीवन को देशभर में पहचान मिली है।

मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता इसकी विविधता, जीवंतता और जनजीवन से गहरा जुड़ाव है। यहां की लोक परंपराएं, जनजातीय एवं लोक कलाएं, आस्था से जुड़ी परंपराएं और समुदायों की विशिष्ट जीवनशैली प्रदेश की सांस्कृतिक समृद्धि को दर्शाती हैं। रामनामी समाज की परंपराएं इसी सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार छत्तीसगढ़ की लोक एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, संवर्धन और उसे देश-दुनिया तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। स्थानीय परंपराओं, लोक कलाओं और सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी से जोड़ना तथा उन्हें व्यापक मंच उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकताओं में शामिल है।

मंत्री श्री अग्रवाल ने रामनामी समुदाय के सदस्यों से बातचीत के दौरान उनकी परंपराओं, सांस्कृतिक गतिविधियों और समाज की विशिष्ट पहचान से जुड़े विभिन्न विषयों की जानकारी भी ली। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने में समाज और समुदायों की सक्रिय भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

इस अवसर पर रामनामी समुदाय के सदस्यों ने डॉक्यूमेंट्री 'राम-नामी' को मिले राष्ट्रीय सम्मान के लिए प्रसन्नता व्यक्त की और मंत्री श्री राजेश अग्रवाल के प्रति आभार जताया। मुलाकात के दौरान छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति, परंपराओं और विरासत को आगे बढ़ाने से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी चर्चा हुई।

दूषित हैंडपंप का पानी पीने मजबूर ग्रामीण, संक्रमण का मंडरा रहा खतरा

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। कबीरधाम जिले के यह मामला जनपद पंचायत पंडरिया के ग्राम पंचायत उदका में ग्रामीणों को इन दिनों स्वच्छ पेयजल के लिए भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गांव में लगे हैंडपंप से कथित तौर पर दूषित एवं अस्वच्छ पानी निकलने के बावजूद ग्रामीणों को मजबूरी में इसी पानी का उपयोग करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि पेयजल का कोई समुचित वैकल्पिक इंतजाम नहीं होने के कारण रोजमर्रा की जरूरतों के लिए इसी हैंडपंप पर निर्भर रहना पड़ रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार हैंडपंप से निकलने वाले पानी की गुणवत्ता को लेकर लंबे समय से चिंता बनी हुई है। पानी की स्थिति देखकर ग्रामीणों में संक्रमणजनित बीमारी फैलने की आशंका भी बढ़ गई है। खासकर बच्चों, बुजुर्गों और अन्य संवेदनशील लोगों के स्वास्थ्य को लेकर ग्रामीण चिंतित हैं।

दूषित पानी से बीमारी का खतरा

गंदे या दूषित पेयजल के सेवन से विभिन्न प्रकार की जलजनित बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। ग्रामीणों का आरोप है कि समस्या सामने



आने के बावजूद जिम्मेदार विभाग द्वारा पानी की गुणवत्ता की जांच एवं आवश्यक सुधार की दिशा में अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई है। यदि समय रहते पानी की जांच नहीं कराई गई और हैंडपंप की समस्या का समाधान नहीं किया गया तो स्थिति गंभीर रूप ले सकती है।

ग्रामीणों ने की पानी की जांच और वैकल्पिक व्यवस्था की मांग

ग्रामीणों ने संबंधित पंचायत सरपंच सचिव एवं विभागीय अधिकारियों से मांग की है कि हैंडपंप के पानी का तत्काल प्रयोगशाला परीक्षण कराया जाए। साथ ही जब तक पानी पीने योग्य होने की पुष्टि नहीं हो जाती, तब तक गांव में स्वच्छ पेयजल की वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए। हैंडपंप की तकनीकी जांच कर आसपास के जलस्रोतों की स्थिति का भी निरीक्षण किए जाने की मांग की गई है।

ग्रामीणों का कहना है कि स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना मूलभूत सुविधा का हिस्सा है। ऐसे में यदि ग्रामीणों को दूषित पानी पीने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, तो यह गंभीर चिंता का विषय है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई करने की मांग की है, ताकि किसी भी प्रकार की संक्रमणजनित बीमारी फैलने से पहले समस्या का स्थायी समाधान किया जा सके।

:- संपादकीय :-

अवैध और असुरक्षित निर्माण

कुछ सवाल हैं, जो हर हादसे बाद उठते हैं। दरअसल, राष्ट्रीय राजधानी अवैध और असुरक्षित निर्माण तथा सुरक्षा नियमों की अनदेखी के साथ चल रहे आवासीय कारोबार का अड्डा बन गई है।कहानी एक जैसी होती है, सिर्फ घटना का स्थल और उसके शिकार पात्र बदल जाते हैं। हाल में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में इमारत गिरने और आग लगने की घटनाओं पर गौर करें, तो उपरोक्त वाक्य सहज ही जुबान पर आ जाता है। इस सिलसिले की ताजा घटना दिल्ली के सत्य निकेतन में हुई, जहां वो इमारत ढही, जिसमें अनेक छात्र पेइंग गेस्ट के रूप में रहते थे। फिलहाल वहां हुई मौतों और दर्दनाक नजारे से लोग आहत हैं। लेकिन ऐसा ही जुलाई 2024 में हुआ था, जब एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में बरसात का पानी जा घुसा, जिससे तीन छात्रों की मौत हुई थी। इस वर्ष मई में साकेत इलाके में बिल्डिंग गिरी, तो जून में हौजरानी में बीएंडबी होटल में आग लगने से 23 लोगों की जान गई।ऐसी सारी घटनाओं में कुछ बातें समान रहती हैं। मसलन, इमारत का अनियमित इस्तेमाल, अवैध निर्माण, सुरक्षा नियमों की अनदेखी, आदि। आम शिकायत है कि ऐसा अधिकारियों एवं जन प्रतिनिधियों के साथ ठेकेदारों और संपत्ति मालिकों की मिलीभगत से होता है। मसलन, सत्य निकेतन की घटना में सवाल उठे हैं कि क्या वह इमारत उतनी संख्या में छात्रों के रहने के लिहाज से निर्मित थी? क्या कॉमर्शियल लॉजिंग के लिए जरूरी इजाजत एवं सुरक्षा मंजूरी ली गई थी? जब लोग रह रहे थे, उसी समय बिल्डिंग के बेसमेंट में निर्माण कार्य कैसे चल रहा था? इसकी किसने अनुमति दी? क्या उस कार्य की निगरानी कोई सरकारी विभाग कर रहा था? ये वो सवाल हैं, जो हर हादसे बाद उठते हैं। मतलब साफ है। पूरी राष्ट्रीय राजधानी अवैध और असुरक्षित निर्माण तथा सुरक्षा नियमों की अनदेखी के साथ चल रहे आवासीय कारोबार का अड्डा बन गई है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक यहां 2024 में 113 और 2025 में 70 लोगों की जान आग और इमारत ढहने से जुड़े हादसों में गई। हर हादसे के बाद जांच और कार्रवाई की घोषणाएं होती हैं, लेकिन कभी यह जरूरत नहीं महसूस की जाती कि पूरी दिल्ली में आवासीय सर्वेक्षण करवाया जाए और अवैध रिहाइश को रोका जाए। जब तक ऐसा नहीं होता, सब यूं ही चलता रहेगा!

प्रथम तिमाही में आर्थिक विकास दर ने चौंकाया

ललित गर्ग ।

व्यावसायिकऔर औद्योगिकनिर्यात में अतुलनीय वृद्धि दर उस समय पर हासिल की गई है जब अमेरिका की टैरिफ नीति ने पूरे विश्व को परेशान किया हुआ है। साथ ही, रूस यूक्रेन युद्ध, ईरान इजराईल-अमेरिका युद्ध, इजराईल हमास युद्ध एवं वैश्विक स्तर पर अस्थिरता का बने रहना भी शामिल है। इन परिस्थितियों के बीच भारत ने उत्पादों एवं सेवा के क्षेत्र में निर्यात का रिकार्ड बनाया है। जबकि कई देशों की अर्थव्यवस्थाओं में सुस्ती बनी हुई है। भारत के कुल निर्यात में सेवा क्षेत्र की कुल हिस्सेदारी तेजी से बढ़ रही है। यदि भारत को चीन जैसी विनिर्माण क्षेत्र की ताकत बनाना है तो भारत को हाई वैल्यू मैन्युफेक्चरिंग, सेमीकंडक्टर, मशीनरी, और सूक्षम, लघु एवं मध्यम उद्योग के क्षेत्र को और अधिक मजबूत करना होगा। घरेलू उत्पाद बढ़ाकर न केवल उत्पादों के आयात को कम किये जाने का प्रयास किया जा रहा है बल्कि वैश्विक बाजार में अपनी हिस्सेसरी भी बढ़ाई जा रही है। भारत में हाल ही में आई मोबाइल एवं इलेक्ट्रॉनिक क्रांति का भी इसमें बहुत बड़ा योगदान है। वर्ष 2014 में भारत में केवल 2 मोबाइल उत्पादन इकाईयां कार्यरत थीं। आज भारत मोबाइल निर्माण के क्षेत्र में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा निमार्ता देश बन गया है। ऐपल की फ्लेगशिप कम्पनी अब मैन्युफेक्चरिंग इन इंडिया की ओर आगे बढ़ रही हैं।



वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही में सराहनीय विकास दर हासिल करने को केंद्र सरकार की योजनाओं की सफलता के रूप में भी देखा जा सकता है। केंद्र सरकार ने मेक इन इंडिया नामक योजना को तेजी से आगे बढ़ाया है और इसने भारत को कई क्षेत्रों में आत्म निर्भर बनाने का कार्य सफलतापूर्वक किया है।

दिनांक 31 अगस्त 2026 को सायंकाल में केंद्र सरकार ने भारत के वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर के आंकड़े जारी किए हैं। विश्व बैंक एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष सहित अन्य वैश्विक संस्थानों, एसोचेम, भारतीय रिजर्व बैंक आदि के अनुमानों को धत्ता बताते हुए अप्रेल-जून 2026 की तिमाही में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। जबकि, उक्त संस्थानों ने उक्त अवधि में 6.5 प्रतिशत से 7 प्रतिशत के बीच की वृद्धि दर का अनुमान लगाया था। उक्त वृद्धि दर वैश्विक स्तर पर विभिन्न प्रकार की आर्थिक समस्याओं के बीच हासिल हुई है, इसलिए भारत के लिए यह एक मील का पत्थर साबित होगी। रूस-यूक्रेन युद्ध तो बहुत लम्बे समय से चल रहा है, ईरान-अमेरिका/इजराईल युद्ध भी इस तिमाही में जारी रहा, जिसके चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि देखने को मिली थी। एक समय तो कच्चे तेल की कीमतें 120 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गई थीं। ज्ञातव्य हो कि भारत अपनी जरूरत का 80 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल आयात करता है। ईरान द्वारा स्ट्रेट ओफ होर्मुज को बंद करने के पश्चात इस मार्ग से गुजरने वाले तेल के जहाजों को रोक दिया गया था एवं कच्चे तेल की आपूर्ति पर इसका विपरीत प्रभाव पड़ा था। परंतु, भारत ने इस दयनीय स्थिति को बहुत ही सूझ बूझ के साथ सम्भाला और अन्य कई देशों से तेल एवं गैस का आयात जारी रखा, जिससे भारत में न तो तेल की आपूर्ति कम हुई और न ही भारत में पेट्रोल एवं डीजल की कीमतों में भारी वृद्धि हुई। जबकि अन्य कई देशों में तो पेट्रोल एवं डीजल की कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज हुई है। समयऔर कैलेंडर

भारत के युवाओं (जेन-जी) को इस बात को समझना होगा कि भारत आज आर्थिक विकास के जिस दौर से गुजर रहा है, वह बहुत ही संवेदनशील है। यदि देश में किसी भी प्रकार की अराजकता फैलायी जाती है तो आर्थिक विकास की पटरी से भारत डीरेल हो सकता है। आगे आने वाले 10 वर्षों तक भारत यदि विकास दर की इसी ट्रेजेक्टरी में अपने आप को बनाए रखने में सफल होता है तो भारत के वर्ष 1947 में विकसित राष्ट्र बनने के सपने को साकार होने से कोई रोक नहीं सकता है। अर्थ के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में अप्रेल-जून 2026 तिमाही में सराहनीय वृद्धि दर हासिल की गई है। सकल मूल्य संवर्धन में वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत की रही है जो अप्रेल-जून 2025 की तिमाही में 7 प्रतिशत की रही थी। विनिर्माण के क्षेत्र में वृद्धि दर पिछले वर्ष की तिमाही में 8.3 प्रतिशत की रही थी जो इस वर्ष की तिमाही में बढ़कर 9.2 प्रतिशत की हो गई है। इसी प्रकार सेवा के क्षेत्र में भी आर्थिक विकास दर इस वर्ष की प्रथम तिमाही में बढ़कर 10 प्रतिशत पर पहुंच गई जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 8 प्रतिशत रही थी। भारत की अर्थव्यवस्था उपभोग आधारित है, अतः निजी उपभोग में इस वर्ष की तिमाही में 7.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 6.8 प्रतिशत रही थी। सकल स्थिर पूंजी निर्माण में भी अतुलनीय 11.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में केवल 5.8 प्रतिशत की रही थी। इसी प्रकार, रोजगार निर्मित करने वाले क्षेत्रों में भी विकास दर प्रभावशाली रही है। वित्तीय क्षेत्र में वृद्धि दर 12.1 प्रतिशत की दर्ज हुई है तो व्यापार, होटल, यातायात एवं संचार के क्षेत्र में 8.5 प्रतिशत की विकास दर हासिल की गई है। साथ ही गैस एवं बिजली उत्पादन में भी वृद्धि दर 8.9 प्रतिशत की रही है। वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही में सराहनीय विकास दर हासिल करने को केंद्र सरकार की योजनाओं की सफलता के रूप में भी देखा जा सकता है। केंद्र सरकार ने मेक इन इंडिया नामक योजना को तेजी से आगे बढ़ाया है और इसने भारत को कई क्षेत्रों में आत्म निर्भर बनाने का कार्य सफलतापूर्वक किया है। विशेष रूप से सूचना प्रौद्योगिकी, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, डिजिटल भुगतान, फिन टेक, इंजिनीयरिंग डिजाइन, व्यापार परामर्श, वैश्विक ग्लोबल योग्यता सेंटर, आदि क्षेत्रों में भारत आज पूरे विश्व में लीड कर रहा है। मेक इन इंडिया योजना ने भारतीय नागरिकों में जोश भरा और भारत की प्रतिभा का डंका पूरे विश्व में बज गया है। दूसरे, भारत में उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना को भी लागू किया गया। इस योजना ने भारत को उपभोक्ता बाजार से निकालकर मजबूत वैश्विक विनिर्माण हब में बदल दिया है। उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत 14 प्रमुख क्षेत्रों में करीब 2.3 लाख करोड़ रुपए का निवेश हुआ है, 16.5 लाख करोड़ रुपए से अधिक का कुल उत्पादन हुआ है एवं 12 लाख से अधिक रोजगार के नए अवसर निर्मित हुए। इसके उपरांत प्रारम्भ हुई प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना के अंतर्गत सड़क, रेल, बंदरगाह, एयरपोर्ट और लाजिस्टिक को पहली बार इंटीग्रेटेड तरीके से जोड़ने की कोशिश की गई। समर्पित मालवाहक गलियारों का निर्माण तो इस दृष्टि से मील का पत्थर साबित हुए हैं।

राशिफल

मेष राशिः आज आपके लिए दिन फायदेमंद रहेगा। आपकी निर्णय लेने की क्षमता बेहतर होगी। कार्यक्षेत्र में आपको बेहतर अवसर मिलने की संभावना है। व्यापारियों को व्यापार से रिलेटेड यात्रा होने के योग हैं। इस यात्रा से आपको अच्छा लाभ मिलेगा। आज आप धन की बचत करने में कामयाब रहेंगे।

वृष राशिः वृष राशि वालों आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आप अपने प्रियजनों और परिवार के बड़ों से सलाह लेकर ही कोई व्यवसाय से संबंधित निर्णय लेंगे। किसी तरह के पैसों के लेन-देन में आज आपको सावधानी बरतने की जरूरत है।

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज आपका दिन पॉजिटिव रहेगा। व्यवसाय से जुड़े लोगों को व्यापार में बड़े लाभ की उम्मीद है। नई व्यापारिक योजनाएं बनाने में कामयाब रहेंगे। आपका पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। रिश्तों में मिठास बनी रहेगी।

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज आपकी कोई इच्छा पूरा होने से पूरे दिन मन प्रसन्न रहेगा। आप उच्च शिक्षा के लिए हाई प्रोफाइल संस्थान में प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। परिवार में किसी शुभ कार्य पर आप धन खर्च करेंगे।

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज आपका दिन लकी रहने वाला है। आप व्यापार शुरू करने का मन बनाएंगे, जिसमे परिवार वालों का पूरा सहयोग मिलेगा। आज आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी, आज किसी प्रकार की बिजनेस डील हो सकती है। जिससे आप बहुत खुश होंगे। घर के कार्यों में जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा। लवमेट्स के बीच चल रही अनबन आज समाप्त होगी।

कन्या राशिः कन्या राशि वालों आपके लिए आज का दिन बढ़िया रहेगा। कुछ नए संपर्कों से आपको लाभ मिलेगा। आज आपके व्यापार में उन्नति होने के योग बने हुये है। किसी पारिवारिक समस्या का आज समाधान निकालने में सफल होंगे, परिवार के सदस्यों में ताल-मेल बढ़ेगा। व्यापार को बढ़ाने के लिए आज आप कुछ नया करने की कोशिश करेंगे। प्रतियोगी परीक्षार्थियों को सफलता मिलने के योग है।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज आपका दिन प्रसन्नता पूर्वक बीतेगा। आपको अपने कुछ पुराने मित्रों से मेल-जोल बढ़ाने का मौका मिलेगा। कार्यक्षेत्र क्षेत्र में दी गई जिम्मेदारियों को आज आप बखूबी निभाएंगे। अपने सीनियर्स के साथ कुछ पुरानी यादों को ताजा करेंगे।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके लिए फायदेमंद रहेगा। आपको किसी प्रकार के लेन-देन के मामले में स्पष्टता रखनी होगी। संतान के करियर में विशेष उपलब्धि मिलने से आपको खुशी मिलेगी। काफी दिनों से स्टार्टअप शुरू करने का प्लान पूरा करने में कामयाब रहेंगे। आज आप एक अच्छे टीम लीडर साबित होंगे। आज आपको किसी भी बात को लेकर बहुत अधिक सोच-विचार करने से बचना होगा।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतर रहेगा। नौकरी कर रहे लोगों को कोई अच्छी उपलब्धि मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में आप अपनी अच्छी सोच का लाभ उठाएंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर बनेगी। आज आपको किसी बड़ी कंपनी से नौकरी का ऑफर आयेगा। जीवनसाथी के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा।

मकर राशिः मकर राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आपको नौकरी से रिलेटेड कोई शुभ समाचार सुनने को मिलेगा। जिसकी आपको प्रतीक्षा थी। जीवनसाथी की ओर से कोई उपहार मिलने से पूरे दिन आपका मन प्रसन्न रहेगा। आप परिवार के साथ कहीं यात्रा पर जाएंगे। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को आज किसी दोस्त की मदद से अच्छी जॉब मिलेगी। राजनीति से जुड़े लोगों को समाज में मान-सम्मान प्राप्त होगा।

कुम्भ राशिः आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। कार्य स्थल पर आपके काम की सराहना होगी। मीडिया और जन संचार से जुड़े लोगों को उनके काम के लिए प्रसिद्धि मिलेगी। अगर आप लेखक है और कोई किताब लिखना चाह रहे हैं तो समय अनुकूल है। सेहत के मामले में आज आप चुस्त-दुरुस्त बने रहेंगे।

मीन राशिःमीन राशि वालों आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आप धर्म-कर्म के कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। छात्रों को सफलता मिलने के योग बने हुए है,

सू- दोकू क्र.171

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.170 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

नजरिया — ललित गर्ग ।

युद्ध की राख से शांति का नया संसार कैसे बने?



इन युद्धों की सबसे बड़ी कीमत सैनिकों से कहीं अधिक आम नागरिक चुका रहे हैं। घर उजड़ते हैं, बच्चे शिक्षा से वंचित होते हैं, अस्पताल और ऊर्जा व्यवस्था प्रभावित होती है, रोजगार समाप्त होते हैं और लाखों लोग विस्थापित होते हैं। युद्ध केवल वर्तमान को नहीं जलाता, वह आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को भी कमजोर करता है।21 सितम्बर का अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस इस वर्ष ऐसे समय में आया है, जब दुनिया को शांति की सबसे अधिक जरूरत है। रूस-यूक्रेन युद्ध लंबा खिंच चुका है, पश्चिम एशिया में इजराइल-गाजा संघर्ष की मानवीय त्रासदी समाप्त नहीं हुई है और 2026 में अमेरिका-इजराइल तथा ईरान के बीच भीषण सैन्य संघर्ष ने पूरे क्षेत्र की सुरक्षा एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। ऐसे वातावरण में शांति केवल एक आदर्श या कूटनीतिक शब्द नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के अस्तित्व की अनिवार्य शर्त बन गई है। संयुक्त राष्ट्र ने 2026 के अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस की थीम रखी है-शांति में निवेश करें-सभी के लिए, हर जगह, हर दिन।संयुक्त राष्ट्र के अनुसार शांति का अर्थ केवल युद्ध की अनुपस्थिति नहीं, बल्कि सुरक्षा, गरिमा, अवसर और सहयोग का ऐसा वातावरण है जिसमें मनुष्य भयमुक्त होकर जीवन जी सके। इस वर्ष विशेष रूप से उन रोजमर्रा के शांति-निमार्ताओं को रेखांकित किया जा रहा है, जो अपने परिवार, समुदाय, विद्यालय और समाज में संवाद तथा विश्वास की नींव मजबूत करते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग भी शांति की खोज एवं शांति की स्थापना में होना चाहिए। ब्रिक्स 2026 की अध्यक्षता करते हुए भारत ने शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के महत्व को ही रेखांकित किया है। दुनिया की वर्तमान स्थिति इस संदेश को और महत्वपूर्ण बनाती है। रूस-यूक्रेन युद्ध के साढ़े चार वर्ष से अधिक समय बाद भी हिंसा समाप्त नहीं हुई है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार जुलाई 2026 में यूक्रेन में कम-से-कम 437 नागरिक मारे गए और 2,610 घायल हुए-मार्च 2022 के बाद किसी एक महीने में दर्ज सबसे अधिक नागरिक क्षति में से एक है। मिसाइलों, ड्रोन और हवाई हमलों ने शहरों, ऊर्जा ढांचे और सामान्य नागरिक जीवन को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। सितंबर में अमेरिका, रूस और यूक्रेन के बीच वार्ता फिर शुरू करने की संभावनाओं पर चर्चा हुई है, लेकिन क्षेत्रीय नियंत्रण सहित कई महत्वपूर्ण प्रश्न अभी भी विवादित हैं। पश्चिम एशिया की स्थिति भी विश्व-शांति के लिए गंभीर चुनौती है। गाजा में संघर्ष और मानवीय संकट पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार सितंबर 2026 में भी वहां हवाई हमलों और सैन्य कार्रवाइयों के कारण नागरिकों की मौतें जारी थीं और बड़ी संख्या में लोग विस्थापित जीवन जी रहे थे। दूसरी ओर, फरवरी 2026 से अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच शुरू हुआ संघर्ष क्षेत्रीय तनाव को व्यापक बना चुका है। ईरान के हमलों और अमेरिकी तथा इजराइली सैन्य कार्रवाइयों ने केवल संबंधित देशों को ही नहीं, बल्कि खाड़ी क्षेत्र, ऊर्जा आपूर्ति और अंतरराष्ट्रीय व्यापार मार्गों को भी प्रभावित किया है। सितंबर में भी इस युद्ध के समाप्त होने की स्पष्ट स्थिति नहीं बनी थी।इन युद्धों की सबसे बड़ी कीमत सैनिकों से कहीं अधिक आम नागरिक चुका रहे हैं। घर उजड़ते हैं, बच्चे शिक्षा से वंचित होते हैं, अस्पताल और ऊर्जा व्यवस्था प्रभावित होती है, रोजगार समाप्त होते हैं और लाखों लोग विस्थापित होते हैं। युद्ध केवल वर्तमान को नहीं जलाता, वह आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को भी कमजोर करता है। इसलिए शांति की चर्चा केवल सीमाओं और सेनाओं के संदर्भ में नहीं, बल्कि मानवाधिकार, विकास, पर्यावरण, शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक सुरक्षा के संदर्भ में भी करनी होगी। शांति स्थापित करने का पहला रास्ता संवाद है। युद्धरत देशों के बीच प्रत्यक्ष संवाद कठिन हो सकता है, लेकिन असंभव नहीं। युद्ध के बीच भी मानवीय गलियारे, युद्धविराम, कैदियों की अदला-बदली, नागरिकों की सुरक्षा और मानवीय सहायता के रास्ते खुले रखने चाहिए। स्थायी शांति के लिए बातचीत में केवल शक्तिशाली देशों की भूमिका पर्याप्त नहीं है;

विचार — अजय दीक्षित

इतिहास-कूटनीति के बीच उलझा काली नदी का स्रोत



नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने भारत-नेपाल सीमा के उस विवाद को फिर उठाया है, जिसकी जड़ें 1816 की सुगौली संधि और उसके बाद हुए ब्रिटिश सर्वेक्षणों तक जाती हैं। खनाल ने 15 सितंबर को नेपाल की प्रतिनिधि सभा में कहा कि लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा को नेपाल के राजनीतिक मानचित्र में शामिल करना हमारा राष्ट्रीय संकल्प है।इस विवाद की कुंजी दो सौ साल पुराने एक सवाल में छिपी है—सुगौली संधि में जिस काली नदी को सीमा माना गया, उसका वास्तविक उद्गम कहां है? नेपाल लिम्पियाधुरा की ओर से आने वाली लंबी और अधिक जलसमृद्ध कुटी-यांगती को काली या महाकाली की मूल धारा मानता है, जबकि भारत की ऐतिहासिक-प्रशासनिक स्थिति कालापानी क्षेत्र को उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले का हिस्सा मानती रही है। इसलिए यह जमीन से पहले नदी की पहचान का विवाद है।

1814-16 के आंग्ल-नेपाल युद्ध के बाद ईस्ट इंडिया कंपनी और नेपाल के बीच हुई सुगौली संधि के अनुच्छेद पांच ने काली नदी को नेपाल की पश्चिमी सीमा का आधार बनाया। लेकिन संधि ने ऊपरी हिमालय में नदी के वास्तविक उद्गम को स्पष्ट निदेशांकों से परिभाषित नहीं किया। कैप्टन विलियम जे. वेब ने 1815 से 1821 के बीच कुमाऊं का सर्वेक्षण किया। मई, 1816 तक काली के ऊपरी स्रोतों तक पहुंच चुका था। कालापानी के झरने उसके शुरूआती सर्वेक्षण में महत्वपूर्ण भौगोलिक चिह्न के रूप में दर्ज हुए।वर्ष 1817 में ही यह विवाद ब्रिटिश भारतीय प्रशासन और नेपाल दरबार के सामने आ गया था। नेपाल के दावे की जांच के बाद काली के पूर्व में स्थित तिंकर और छांगरू क्षेत्र नेपाल को सौंप दिए गए। इसके बाद नेपाल ने पश्चिम की ओर दावा बढ़ाते हुए कहा कि कुटी घाटी से आने वाली कुटी-यांगती को काली की मुख्य धारा माना जाना चाहिए। बाद में हिमालयन गजेटियर में दर्ज विवरण के अनुसार वेब और अन्य अधिकारियों का मत था कि कालापानी के पवित्र स्त्रोत से निकलने वाली अपेक्षाकृत छोटी धारा को परंपरागत रूप से काली की मुख्य शाखा माना जाता था और उसी ने नदी को उसका नाम दिया।

1857 की क्रांति के अमर सेनानी राजा राव तुलाराम

राव तुलाराम 1857 की क्रांति के समय अहीरवाल क्षेत्र में अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष के प्रमुख नेतृत्वकर्ता बनकर उभरे।अहीरवाल की धरती वीरता, स्वाभिमान और बलिदान की गौरवशाली परंपरा की साक्षी रही है। इसी वीरभूमि ने 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में ऐसे महान योद्धा को जन्म दिया, जिसने अंग्रेजी सत्ता के सामने झुकने के बजाय संघर्ष का रास्ता चुना। वह वीर थे रेवाड़ी के राजा राव तुलाराम। 1857 का संग्राम भारतीय इतिहास की उन अहम घटनाओं में से है, जिसने अंग्रेजी शासन की नींव को गहरी चुनौती दी। तत्कालीन संघर्ष अपने अंतिम उद्देश्य को प्राप्त नहीं कर सका, लेकिन इसने भारतीय समाज में स्वतंत्रता, स्वाभिमान और विदेशी शासन के विरुद्ध प्रतिरोध की भावना मजबूत की।राजा राव तुलाराम का जन्म 9 दिसंबर, 1825 को रेवाड़ी के राजपरिवार में हुआ था। उनके पिता राव राजा पूर्ण सिंह और माता ज्ञान कुंवर थीं। पिता के निधन के बाद मात्र 14 वर्ष की आयु में उन्हें रेवाड़ी की राजगद्दी संभालनी पड़ी। समय के साथ उन्होंने अपनी राजनीतिक समझ, संगठन क्षमता और सैन्य नेतृत्व का परिचय दिया। 1857 की क्रांति के समय वे अहीरवाल क्षेत्र में अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष के प्रमुख नेतृत्वकर्ता बनकर उभरे। जब मेरठ से उठी क्रांति की लपटें दिल्ली और उसके आसपास के क्षेत्रों तक पहुंचीं, तो उसका प्रभाव अहीरवाल पर भी पड़ा। दिल्ली में बहादुरशाह जफर को क्रांतिकारियों ने हिंदुस्तान का बादशाह घोषित किया। अंग्रेजों को गुड़गांव और आसपास के क्षेत्रों से पीछे हटना पड़ा। राव तुलाराम ने इस अवसर को अंग्रेजी सत्ता के विरुद्ध संगठित प्रतिरोध में बदल दिया। रेवाड़ी तथा आसपास के क्षेत्रों में उनका प्रभाव स्थापित हुआ और अंग्रेजी शासन को चुनौती दी।अंग्रेजों ने राव तुलाराम की शक्ति को समाप्त करने के लिए सैन्य अभियान शुरू किया। इसी संघर्ष का सबसे महत्वपूर्ण अध्याय बना नसीबपुर का युद्ध। 16 नवंबर 1857 को नसीबपुर, नारनौल के मैदान में राव तुलाराम की सेना और अंग्रेजी सेना के बीच भीषण युद्ध हुआ। ब्रिटिश सेना के कमांडर कर्नल जॉन ग्रांट गेरार्ड और कैप्टन वालेस मारे गए, जबकि कई ब्रिटिश अधिकारी घायल हुए। राव तुलाराम की सेना ने अंग्रेजी सेना को कड़ी चुनौती दी।इस संघर्ष में राव तुलाराम के अनेक वीर सेनानायक और सैनिक शहीद हुए। राव किशन सिंह, राव रामलाल और शहजादा मोहम्मद आजम सहित अनेक योद्धाओं ने मातृभूमि के लिए अपना जीवन न्योछावर कर दिया।नसीबपुर का यह युद्ध अहीरवाल के इतिहास में आज भी वीरता और बलिदान के प्रतीक के रूप में स्मरण किया जाता है।

शब्द सामर्थ्य -171

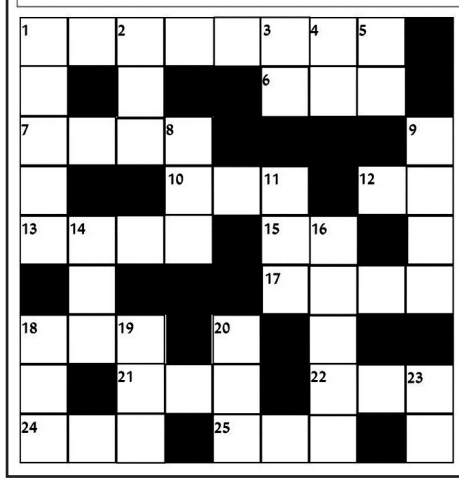
(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. राजद प्रमुख 6. रखवाला, रक्षा करने वाला 7. दयालु, रहम करने वाला (उ.) 10. युग्म, जोड़ा, एक राशि, एक फिल्म अभिनेता 13. कैदखाना, जेल, हिरासत 15. जानकी, जनकनंदनी 17. व्यर्थ की बात, बकबक 18. नारी, स्त्री, महिला 21. विक्रय करना 22. वाणी, कथन, वादा 24. ताश में दस अंकों वाला पत्ता 25. नगर का, नागरिक, चतुर।

ऊपर से नीचे

1. बेफ्रिक, निश्चिंत, जिसे कोई परवाह न हो 2. मूर्ति 3. दोस्त, प्रेमी 4. कुशल, विशेषज्ञ 5. बगुला 8. झुका हुआ, झुकाया गया, नत 9. इधर-उधर, पास पड़ोस 11. किस्मत, तकदीर, भाग्य 14. बंदर, मर्कट, कपि 16. शक्तिशाली, बलवान 18. संतान, संतति 19. अस्तबल, घुड़साल 20. राजी करना, रूठे हुए को प्रसन्न करना 23. सरिता, नदिया, नद।



शब्द सामर्थ्य क्रमांक170 का हल

मा	म	ला	■	सि	वा	य	■	कि
लि	■	चा	ह	त	■	म	म	ता
क	सू	र	■	म	ग	न	■	ब
■	र	■	■	■	द	■	■	■
क	मा	न	■	पा	र	स	■	स
मी	■	म	जा	ल	■	न	क	ली
ना	दा	न	■	ना	र	द	■	का
■	मि	■	■	■	तौं	■	■	■
सु	नी	ल	■	अ	धी	र	■	जी

एसीटीआरईसी का शोध कैंसर उपचार को सुरक्षित और अधिक प्रभावी बनाने पर केंद्रित

वैज्ञानिक उपचार के दुष्प्रभाव कम करने के लिए कोशिका स्तर पर कर रहे कैंसर का अध्ययन

मुंबई (दैनंदिनी)। कीमोथेरेपी और रेडिएशन थेरेपी कैंसर मरीजों की जान बचाने में महत्वपूर्ण हैं, लेकिन इनके साथ कई तरह के दुष्प्रभाव भी हो सकते हैं। मुंबई स्थित एडवांस्ड सेंटर फॉर ट्रीटमेंट, रिसर्च एंड एजुकेशन इन कैंसर (ACTREC) में वैज्ञानिक कोशिका स्तर पर कैंसर के विकास का अध्ययन कर रहे हैं, ताकि यह समझा जा सके कि सामान्य कोशिकाएं कैंसर कोशिकाओं में कैसे बदलती हैं और भविष्य में उपचार को अधिक सटीक, कम विषाक्त तथा भारतीय मरीजों के लिए अधिक उपयुक्त कैसे बनाया जा सकता है।

कैंसर रिसर्च इंस्टीट्यूट (CRI), ACTREC के उप निदेशक डॉ. सोराब दलाल ने कहा कि कैंसर किसी एक घटना के कारण विकसित नहीं होता, बल्कि कई चरणों से गुजरते हुए वर्षों में सामान्य कोशिकाओं में बदलाव के बाद ट्यूमर का रूप लेता है। इन बदलावों को समझने से वैज्ञानिकों को कैंसर के विकास में शामिल जैविक प्रक्रियाओं और उपचार के संभावित लक्ष्यों की पहचान करने में मदद मिल सकती है।



उन्होंने कहा कि बुनियादी कैंसर अनुसंधान का उद्देश्य केवल वैज्ञानिक शोध-पत्र प्रकाशित करना नहीं है। प्रयोगशालाओं में हासिल ज्ञान भविष्य में नई उपचार पद्धतियां विकसित करने और वैज्ञानिक खोजों को मरीजों के उपचार तक पहुंचाने का आधार बन सकता है। डॉ. दलाल ने बताया कि वैज्ञानिक भारतीय कैंसर मरीजों की विशेषताओं को ध्यान में रखते हुए शोध मॉडल विकसित करने पर भी काम कर रहे हैं। दूसरे देशों की आबादी पर आधारित मॉडलों पर पूरी तरह निर्भर रहने के बजाय भारतीय मरीजों के अधिक अनुरूप मॉडल विकसित करने से ट्यूमर के व्यवहार को समझने और संभावित दवाओं तथा उपचार पद्धतियों का परीक्षण करने में मदद मिल सकती है।

अनुसंधान का एक अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्र कैंसर आनुवंशिकी और परिवारों में पाए जाने वाले आनुवंशिक कैंसर सिंड्रोम हैं। कैंसर के बढ़े हुए जोखिम से जुड़े आनुवंशिक बदलावों की पहचान से ऐसे लोगों की पहचान की जा सकती है, जिन्हें नियमित और अधिक निगरानी की आवश्यकता हो सकती है। इससे कैंसर की शुरुआती पहचान और समय पर हस्तक्षेप के अवसर बढ़ सकते हैं।

डॉ. दलाल ने कैंसर उपचार की आर्थिक लागत कम करने के लिए अनुसंधान की आवश्यकता पर भी जोर दिया। वैज्ञानिक विभिन्न उपचार रणनीतियों पर काम कर रहे हैं, जिनमें पहले से उपलब्ध दवाओं के नए कैंसर उपचार में संभावित उपयोग तथा नए यौगिकों के अध्ययन शामिल हैं। इन प्रयासों से भविष्य में अधिक किफायती उपचार विकल्प विकसित करने में मदद मिल सकती है।

उन्होंने बुनियादी अनुसंधान को कैंसर के सफल उपचार की नींव बताते हुए इसकी तुलना हिमखंड से की। उन्होंने कहा कि मरीज तक पहुंचने वाला उपचार हिमखंड के दिखाई देने वाले हिस्से की तरह है, जबकि उसके पीछे वर्षों का व्यापक प्रयोगशाला अनुसंधान काम करता है।

डॉ. दलाल ने कहा, "बुनियादी अनुसंधान के बिना हमारे पास क्लिनिक में कोई उपचार नहीं होता। यही वह नींव है, जिस पर सब कुछ तैयार होता है।"

यह बातचीत छत्तीसगढ़ के पत्रकारों के एसीटीआरईसी, मुंबई दौरे के दौरान हुई। पत्रकारों को कैंसर जीवविज्ञान, बुनियादी अनुसंधान, ट्यूमर मॉडल और प्रयोगशाला में हुई वैज्ञानिक खोजों को मरीजों के उपचार तक पहुंचाने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई।

बिहान से जुड़कर आत्मनिर्भर बनीं उर्मिला

रायपुर ■ दैनन्दिनी



जीवन में आई कठिन परिस्थितियों के सामने हार मानने के बजाय सरगुजा जिले की उर्मिला गुप्ता ने मेहनत और आत्मविश्वास के साथ अपने परिवार की जिम्मेदारी संभाली। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' और आकांक्षा स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद उन्होंने टमाटर, खीरा और अन्य सब्जियों की खेती को आजीविका का आधार बनाया। वर्ष 2024 में पति के निधन के बाद खेती ही उनके परिवार का मजबूत सहारा बनी। आज उर्मिला अपनी मेहनत की कमाई से दोनों बच्चों की पढ़ाई और परिवार का पालन-पोषण कर रही हैं तथा लखपति दीदी बनने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं।

उर्मिला बताती हैं कि स्व-सहायता समूह से जुड़ने से पहले वे अधिकतर घर तक ही सीमित रहती थीं। उनके पास खेती को व्यवस्थित रूप से आजीविका का माध्यम बनाने का विचार नहीं था। बिहान और आकांक्षा स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद उन्हें टमाटर, खीरा सहित विभिन्न सब्जियों की खेती के बारे में जानकारी और प्रोत्साहन मिला।

इस मार्गदर्शन ने उर्मिला को खेती के माध्यम से स्वयं की आय का साधन तैयार करने की राह दिखाई। उन्होंने सब्जियों की खेती शुरू की और पिछले चार वर्षों से लगातार टमाटर की खेती कर रही हैं। इसके साथ खीरा और अन्य सब्जियों का उत्पादन भी कर रही हैं।

समूह से ऋण लेकर बढ़ाया काम, कमाई से चुकाई पूरी राशि

खेती को आगे बढ़ाने के लिए उर्मिला ने अपने स्व-सहायता समूह से ऋण लिया। इस राशि का उपयोग उन्होंने अपनी आजीविका गतिविधि को बढ़ाने में किया। मेहनत का परिणाम मिला और खेती से आमदनी होने लगी। उर्मिला ने अपनी आय का बेहतर प्रबंधन करते हुए समूह से लिया ऋण भी चुका दिया। स्व-सहायता समूह से मिले आर्थिक सहयोग और मार्गदर्शन ने उन्हें अपनी आजीविका को आगे बढ़ाने के साथ आर्थिक निर्णय लेने का आत्मविश्वास भी दिया।

पति के निधन के बाद खेती ने संभाला परिवार

वर्ष 2024 में पति के निधन के बाद उर्मिला के सामने दोनों बच्चों की पढ़ाई, पालन-पोषण और घर चलाने की पूरी जिम्मेदारी आ गई। कठिन समय में पहले से शुरू की गई सब्जियों की खेती परिवार के लिए आय का प्रमुख सहारा बनी।उर्मिला बताती हैं कि आज वे खेती से होने वाली आमदनी से अपने दोनों बच्चों को पढ़ा-लिखा रही हैं और परिवार की जरूरतें पूरी कर रही हैं।

महाराष्ट्र–तेलंगाना सीमा पर वन्यजीव तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

ऑपरेशन सेफ पैसेज 3.0 में छह संदिग्ध हिरासत में, मां और नवजात पैंगोलिन समेत बाघ की हड्डियां-कैनाइन जब्त

गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। वन्यजीव तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में WCCB, DRI, उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व (USTR) और आलापल्ली वन प्रभाग की संयुक्त टीम ने महाराष्ट्र–तेलंगाना सीमा के पास जिमेला क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की। 26 सितंबर को खुफिया सूचना के आधार पर की गई इस कार्रवाई में छह संदिग्धों को हिरासत में लिया गया।

कार्रवाई के दौरान टीम ने दो जीवित पैंगोलिन, जिसमें एक मां और उसका नवजात बच्चा शामिल है, के साथ 43 संदिग्ध बाघ की हड्डियां, दो बाघ के कैनाइन दांत और तीन मोटरसाइकिलें जब्त कीं। अधिकारियों के अनुसार, मोटरसाइकिलों का इस्तेमाल कथित तौर पर वन्यजीवों की अवैध सामग्री के परिवहन में किया जा रहा था।

खुफिया सूचना से धरपकड़ तक पहुंची टीम

यह कार्रवाई USTR के ऑपरेशन "सेफ पैसेज 3.0" और इंटरपोल के ऑपरेशन थंडर 2026 के व्यापक प्रवर्तन अभियान के संदर्भ में की गई। टीम ने महाराष्ट्र के जिमेला, आलापल्ली, कोकोपाडा, गोमनीटोला और कोन्सरी क्षेत्र से छह लोगों को हिरासत में लिया। मामले में आलापल्ली वन परिक्षेत्र के तहत



वन्यप्राणी अपराध क्रमांक 08120/202986 दर्ज किया गया है। जब्त सामग्री को आगे की जांच, फोरेंसिक परीक्षण और कानूनी कार्रवाई के लिए सुरक्षित रखा गया है।

ऑपरेशन थंडर से जुड़ी अंतरराष्ट्रीय मुहिम

ऑपरेशन थंडर 2026, 14 सितंबर से 14 अक्टूबर 2026 तक चलने वाला अंतरराष्ट्रीय वन्यजीव एवं वानिकी अपराध नियंत्रण अभियान है, जिसे INTERPOL और World Customs Organization (WCO) के समन्वय से संचालित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य खुफिया सूचनाओं के आदान-प्रदान, लक्षित कार्रवाई, अंतरराज्यीय समन्वय और संगठित वन्यजीव तस्करी नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई को मजबूत करना है। 2025 के अभियान में 134 देशों ने हिस्सा लिया था और 4,640 जब्तियां तथा करीब 1,100 संदिग्धों की पहचान की गई थी।

मातृत्व के कठिन दौर में 'सेवा संकल्प' का संबल

रायपुर (दैनंदिनी ब्यूरो)। मातृत्व हर महिला के जीवन का सबसे सुखद एहसास होता है, लेकिन एक दैनिक श्रमजीवी महिला के लिए यह समय खुशियों के साथ-साथ गंभीर आर्थिक चुनौतियों को भी साथ लाता है। सारंगढ़ जिला के ग्राम पठारी की रहने वाली श्रीमती कमला साहू, जो रेजा मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करती हैं, के सामने भी नवजात शिशु के आगमन पर ऐसी ही परिस्थिति निर्मित हो गई थी।

बच्चे की देखभाल के लिए काम से दूरी बनाने के कारण उनकी दैनिक मजदूरी बंद हो गई थी। सीमित आमदनी में घर के दैनिक खर्चों को संभालने के साथ नवजात के पोषण और स्वास्थ्य की आवश्यकताओं को पूरा करना कमला के लिए एक बड़ी चिंता का कारण बना हुआ था।

ऐसे संवेदनशील और कठिन समय में राज्य सरकार का 'सेवा संकल्प अभियान' उनके लिए एक नया सवेरा लेकर आया। अभियान के तहत श्रम विभाग द्वारा संचालित 'मिनीमाता महतारी जतन योजना' के माध्यम से पात्र हितग्राही कमला साहू के बैंक खाते में direct benefit transfer (DBT) के जरिए 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि हस्तांतरित की गई।

यह राशि केवल वित्तीय मदद मात्र नहीं थी, बल्कि मजदूरी प्रभावित होने के उस दौर में मिला एक सुदृढ़ संबल थी। सहायता राशि प्राप्त होने के बाद कमला अपने नवजात बच्चे के स्वास्थ्य, उचित पोषण और देखभाल पर पूरा ध्यान दे पा रही हैं।

चिल्फी पुलिस ने अंतर्राज्यीय गांजा तस्करी गिरोह का किया पर्दाफाश



दो वाहनों से 18 किलो 460 ग्राम गांजा बरामद, चार तस्कर गिरफ्तार

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। अंतर्राज्यीय मार्गों से गांजा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत चिल्फी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने एनएच-30 पर वाहन जांच के दौरान दो अलग-अलग वाहनों से 18 किलो 460 ग्राम गांजा बरामद कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से गांजा परिवहन में प्रयुक्त दो वाहन और चार मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। जब्त मशरूका की कुल अनुमानित कीमत 22 लाख 53 हजार रुपये बताई गई है।

पुलिस के अनुसार, 26 सितंबर को थाना चिल्फी के सामने एनएच-30 पर संदिग्ध वाहनों की जांच की जा रही थी। इसी दौरान पुलिस टीम ने आगे-पीछे चल रहे हुंडई वरना क्रमांक DL-4C AQ-0755 को रोककर जांच की। वाहन में सवार रविराज सिंह परिहार (19) निवासी मेहेंगवा कला, थाना पवई, जिला पन्ना और सौरभ सिंह बुंदेला (22) निवासी महेड़ा, थाना पवई, जिला पन्ना से पूछताछ के बाद वाहन की तलाशी ली गई। तलाशी में 12 किलो 760 ग्राम गांजा बरामद हुआ।

पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि गांजा उड़ीसा के नुआपाड़ा से मध्यप्रदेश के पन्ना ले जाया जा रहा था।

इसी दौरान पुलिस ने एक अन्य संदिग्ध मारुति सुजुकी शोल्ड फ्रॉन्क्स वाहन को भी रोककर जांच की। वाहन में सवार जोगेन्द्र राजा (25) और केशव राजा (22), दोनों निवासी बुढ़ा, थाना पवई, जिला पन्ना की मौजूदगी में वाहन की तलाशी ली गई। पुलिस ने वाहन से 5 किलो 700 ग्राम गांजा बरामद किया।

इस तरह दोनों वाहनों से कुल 18 किलो 460 ग्राम गांजा, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 9 लाख 23 हजार रुपये है, बरामद किया गया। पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध थाना चिल्फी में अपराध क्रमांक 22/2026धारा 20(b)एन, डी, पी,एस, एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है। प्रकरण में गांजा तस्करी से जुड़े अन्य व्यक्तियों एवम नेटवर्क के संबंध में ए,एन, टी,एफ टीम कबीरधाम द्वारा भी विस्तृत पूछताछ की जा रही है।

मान सिंह ने खेती के साथ मछली पालन को बनाया आजीविका का आधार

रायपुर ■ दैनन्दिनी

खेत के पास बनी एक छोटी सी डबरी ने सरगुजा जिले के बतौली विकासखंड की ग्राम पंचायत बिरिमकेला निवासी मान सिंह के लिए आजीविका के कई रास्ते खोल दिए हैं। ग्रामीण रोजगार योजना के तहत निर्मित डबरी में संचित पानी से अब वे अलग-अलग फसलों की सिंचाई कर रहे हैं। इसी डबरी में मछली पालन शुरू कर उन्होंने अतिरिक्त आय का साधन भी तैयार किया है। पानी की उपलब्धता से खेती का दायरा बढ़ा है और खीरे की फसल की बिक्री से ही उन्हें करीब 30 हजार रुपये मिले हैं।

मान सिंह बताते हैं कि डबरी उनके पिता प्रेम सिंह के नाम से बनी है। डबरी बनने के बाद खेत के पास ही सिंचाई के लिए पानी का स्थानीय स्रोत उपलब्ध हो गया। इस पानी का उपयोग कर उन्होंने टमाटर, खीरा, गोभी और सरसों जैसी फसलों की खेती की।

सिंचाई की सुविधा मिलने से अब वे एक फसल तक सीमित रहने के बजाय मौसम के अनुसार अलग-अलग सब्जियों और फसलों का उत्पादन कर पा रहे हैं। खीरे की फसल की बिक्री से उन्हें करीब 30 हजार रुपये प्राप्त हुए। अब वे अगली फसल के रूप में मटर और गोभी लगाने की तैयारी कर रहे हैं।

खेती के साथ मछली पालन से आय का दूसरा जरिया

मान सिंह ने डबरी का उपयोग केवल खेतों की सिंचाई तक सीमित नहीं रखा। उन्होंने इसमें मछली पालन भी शुरू किया है। इस तरह एक ही परिसंपत्ति खेतों के लिए पानी उपलब्ध कराने के साथ मत्स्य पालन के माध्यम से अतिरिक्त आय की संभावना भी तैयार कर रही है।

मान सिंह बताते हैं कि डबरी से उन्हें काफी लाभ मिल रहा है। खेतों के लिए पानी उपलब्ध होने से खेती आसान हुई है और अलग-अलग फसलें लेने का अवसर मिला है। मछली पालन से भी अतिरिक्त आमदनी की संभावना बढ़ी है।

गरियाबंद हाईस्कूल 1980-83 बैच का स्नेह सम्मेलन

वर्षों बाद सपरिवार मिले पुराने सहपाठी, बचपन की यादें हुईं ताजा

गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। गरियाबंद की मिट्टी की खुशबू आज भी वही है, बस वक्त के साथ हम सबकी पहचान और जिम्मेदारियां बदल गई हैं। गरियाबंद हाईस्कूल के 1980–83 बैच के वे साथी, जिन्होंने कभी एक साथ विद्यालय की कक्षाओं में बैठकर सुनहरे सपने देखे थे, आज अपनी प्रतिभा, ज्ञान, मेहनत और लगन से जीवन के अलग-अलग क्षेत्रों में प्रतिष्ठित स्थान हासिल कर चुके हैं।

किसी ने चिकित्सा के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई, तो किसी ने शिक्षा, रेलवे, प्रशासन, राजस्व, न्याय और व्यापार के क्षेत्र में गरियाबंद का नाम रोशन किया। डॉ. वर्षा, रीता प्रधान, रेलवे में लेक्चरार



मधु वर्मा, प्रधान पाठक नरेश यादव, निज सचिव सोमेश्वर सिंह ठाकुर, राजस्व अधिकारी मनोज खरे, वरिष्ठ पत्रकार जीवन एस. साहू, प्रसिद्ध किराना व्यापारी जमीयत, एडवोकेट होमेश्वर यदु सहित अनेक साथियों ने अपने-अपने कार्यक्षेत्र में प्रतिभा और कर्मठता की अलग पहचान बनाई।

कभी गरियाबंद की गलियों और स्कूल परिसर में साथ-साथ घूमने वाले ये साथी आज प्रदेश के विभिन्न विभागों और क्षेत्रों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। वर्षों बाद जब सभी साथी सपरिवार स्नेह सम्मेलन में एक साथ मिले, तो ऐसा लगा मानो समय ने कुछ पल के लिए अपनी रफ्तार रोक दी हो।

पुरानी कक्षाओं की यादें, स्कूल के दिन, दोस्तों की शरारतें, शिक्षकों का मार्गदर्शन और बचपन की अनगिनत स्मृतियां फिर से आंखों के सामने जीवंत हो उठीं।

उम्र बढ़ गई, जिम्मेदारियां बढ़ गईं और जीवन की राहें अलग-अलग हो गईं, लेकिन दोस्ती और अपनापन आज भी वैसा ही बना हुआ है।

यह मिलन केवल मित्रों का मिलना नहीं था, बल्कि गरियाबंद की उस मिट्टी को नमन था, जिसने सभी को संस्कार, शिक्षा और पहचान दी। आज ये साथी जिस मुकाम पर हैं, उसकी नींव कहीं न कहीं उसी गरियाबंद की धरती और विद्यालय के सुनहरे दिनों में छिपी हुई है।

उपलब्धियों के साथ रिश्तों की मिठास भी रही बरकरार

इस स्नेह सम्मेलन ने यह संदेश दिया कि जीवन में सफलता, पद और प्रतिष्ठा अपनी जगह हैं, लेकिन पुराने रिश्तों का अपनापन अनमोल होता है। वर्षों की दूरी और व्यस्तताओं के बावजूद एक-दूसरे के प्रति स्नेह और सम्मान ने इस मिलन को यादगार बना दिया।

पुराने साथी मिले तो यादें फिर जवान हो गईं, गरियाबंद की मिट्टी की खुशबू फिर से मन में समा गई।

गरियाबंद हाईस्कूल 1980–83 बैच का यह स्नेह सम्मेलन केवल अतीत को याद करने का अवसर नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए मित्रता, संस्कार और एकता की प्रेरणा भी है। विद्यालय से शुरू हुआ दोस्ती का यह सफर आज जीवन के कई दशक पार कर चुका है, लेकिन रिश्तों की डोर अब भी उतनी ही मजबूत है। यही इस खूबसूरत मिलन की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

कांग्रेस जिला महामंत्री अशोक चंद्राकर के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने किया गणेश समिति झांकियों को सम्मानित

लोरमी (दैनंदिनी ब्यूरो)। लोरमी नगर में 11 दिवस श्री गणेश की विधि विधान से पूजा अर्चना कर सभी समितियां के द्वारा विशेष झांकी धुमाल के साथ गणेश विसर्जन के लिए मुख्य मार्ग होते हुए निकले इस दौरान हटरी चौक के पास जिला कांग्रेस महामंत्री अशोक चंद्राकर के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के द्वारा नगर में विराजमान सभी श्री गणेश समितियो को स्टेज में समानित करते हुए उनके उत्साहवर्धन के लिए स्मृति चिन्ह व पुरस्कार राशि प्रदान किये । इस दौरान अशोक चंद्राकर ने कहा कि भगवान श्री गणेश विघ्नहर्ता हैं। मैं श्री गणेश जी से यही प्रार्थना करता हूँ कि वे हमारे क्षेत्र की हर समस्या, हर विघ्न को दूर करें। हमारे घरों में सुख, समृद्धि और शांति का वास हो। हमारे युवाओं को सही दिशा मिले और हमारा क्षेत्र तरक्की की नई ऊंचाइयों को छुए। मैं विसर्जन समिति और प्रशासन से भी आग्रह करूँगा कि विसर्जन का यह उत्सव पूरी तरह से सुरक्षित और शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो। हम बप्पा को खुशी-खुशी विदाई दें और उनके द्वारा दी गई सीख को अपने जीवन में



उतारें। समितियो को सम्मानित करने के दौरान प्रदेश महासचिव लतारानी वैष्णव, नेता प्रतिपक्ष नपा सालिक बंजारे, महिला कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष हेमीन मंगेशकर, हेमंत दास मानिकपुरी, बिंदु यादव, हरेंद्र चंद्राकर, पार्षदगण कृष्ण कुमार, कैलाश श्रीवास, धनंजय दुबे, पूर्व पार्षद दुर्गा गोलू रजक, नवीन तिवारी, नेहरू चंद्राकर, गोलू यादव, अमर कुमार ढीमर, विजय गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

नहर की सफाई से अंतिम छोर तक पहुंचा पानी, किसानों ने जताया आभार

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जल संसाधन विभाग द्वारा लोहारा जलाशय के नहर कमांड क्षेत्र के ग्राम नवापारा में किसान बैठक एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जल संसाधन उपसंभाग क्रमांक-3, सहसपुर लोहारा के अनुभागीय अधिकारी राहुल पंत एवं उप अभियंता ओम प्रकाश कुलमित्र उपस्थित रहे। बैठक में किसानों ने बताया कि इस वर्ष लोहारा जलाशय की मिट्टी से निर्मित नहर की विशेष साफ-सफाई कराए जाने से नहर का पानी अंतिम छोर तक नवापारा के तालाब तक सफलतापूर्वक पहुंचा है। किसानों ने इसके लिए जल संसाधन विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया। किसानों ने भविष्य में जल प्रवाह को और सुचारू बनाए रखने तथा सिंचाई सुविधा को बेहतर करने के लिए नहर के पक्कीकरण का प्रस्ताव रखा। विभागीय अधिकारियों ने किसानों के प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए आवश्यक कार्यवाही के लिए संज्ञान में लिया। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने किसानों को जल संरक्षण एवं संवर्धन के महत्व की जानकारी दी। उपलब्ध जल संसाधनों के समुचित



उपयोग, जल स्रोतों के संरक्षण तथा भविष्य के लिए भूमिगत जल स्तर को बनाए रखने के संबंध में किसानों को जागरूक किया गया। किसानों ने क्षेत्र में संचालित पत्थर खदानों के कारण भूमिगत जल स्तर के संरक्षण एवं संवर्धन की आवश्यकता की ओर अधिकारियों का ध्यान आकर्षित किया। अधिकारियों ने किसानों की बात को गंभीरता से सुना तथा भूमिगत जल के संरक्षण और जल पुनर्भरण को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक पहल पर विचार करने हेतु विषय को दर्ज किया।

एशियन गेम्स में अनाहत सिंह ने रचा इतिहास, स्क्वैश में महिला सिंगल्स में सिल्वर मेडल जीतने वाली बनी पहली खिलाड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। जापान के आइची नागोया में चल रहे एशियन गेम्स 2026 में भारत की युवा 18 साल की स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत सिंह को महिला सिंगल्स के गोल्ड मेडल मैच में मलेशिया की खिलाड़ी शिवसंगरी सुब्रमण्यम से 4-11, 4-11, 7-11 से हार का सामना करना पड़ा, जिसके साथ ही सिल्वर मेडल जीतने में जरूर कामयाब रहीं। अनाहत का फाइनल तक सफर काफी शानदार रहा जिसमें उन्होंने वर्ल्ड की कई बेहतरीन खिलाड़ियों को मात दी लेकिन गोल्ड मेडल जीतने से चूक गईं। हालांकि इसके बावजूद अनाहत सिंह इतिहास रचने में कामयाब रहीं जिसमें वह एशियन गेम्स के इतिहास में पहली ऐसी भारतीय महिला खिलाड़ी बन गई हैं जो स्क्वैश के सिंगल्स के इवेंट में सिल्वर मेडल जीतने में कामयाब रही हैं।



एशियन गेम्स 2026 में गोल्ड मेडल मुकाबले में हार मिलने से 18 साल की अनाहत सिंह साल 2028 में होने वाले लॉस एंजिल्स ओलंपिक गेम्स में अपनी सीधी जगह पक्की करने से चूक गईं। 18 साल की अनाहत सिंह का अनुभवी मलेशियाई खिलाड़ी से था शुरुआती गेम में शिवसंगरी ने अपने दमदार अटैकिंग खेल से रैलियों पर नियंत्रण बनाए रखा और अनाहत 4-11 से हार गईं। इसके बाद दूसरे गेम में भी अनाहत को 4-11 के अंतर से हार का सामना करना पड़ा, जबकि तीसरा गेम 11-7 के अंतर से गंवा दिया। इससे पहले अनाहत ने सेमीफाइनल में जबरदस्त खेल दिखाया था और उन्होंने वर्ल्ड नंबर 6 सतोमी वातानाबे को दो गेम से पिछड़ने के बाद हराया और दो मैच पॉइंट बचाकर एशियन गेम्स के महिला सिंगल्स स्क्वैश फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय बनीं थी।

अनाहत के अलावा पुरुष सिंगल्स के स्क्वैश इवेंट में भारत के अभय सिंह को गोल्ड मेडल मैच में मलेशियाई खिलाड़ी ईन यो एनजी के खिलाफ एकतरफा हार का सामना करना पड़ा, जिसमें 11-9, 11-5, 11-5 से वह तीनों गेम हार गए। अभय को जहां सिल्वर मेडल के साथ संतोष करना पड़ा तो वहीं वह सौरव घोषाल जिन्होंने 2014 और 2023 में सिंगल्स में सिल्वर जीता था के बाद इस इवेंट में सिल्वर मेडल जीतने वाले दूसरे भारतीय पुरुष बने हैं। हालांकि फाइनल में हार का मतलब यह भी था कि वह LA2028 ओलंपिक के लिए सीधे क्वालिफिकेशन से चूक गए।

विराट कोहली ने रचा इतिहास, मोहम्मद अजहरुद्दीन का 28 साल पुराना रिकॉर्ड ध्वस्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। विराट कोहली की ODI क्रिकेट में वापसी एक खास रिकॉर्ड के साथ हुई है। वेस्टइंडीज के खिलाफ तिरुवनंतपुरम में खेले जा रहे पहले ODI में मैदान पर उतरते ही कोहली ने पूर्व भारतीय कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन का 28 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। वह अब वेस्टइंडीज के खिलाफ ODI में भारत की ओर से सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। तीन मैचों की ODI सीरीज के पहले मुकाबले में उतरते ही कोहली ने यह उपलब्धि अपने नाम की।

दरअसल, भारत और वेस्टइंडीज आज यानी 27 सितंबर को ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में आमने-सामने हैं। ये वेस्टइंडीज के खिलाफ विराट कोहली का 44वां ODI मुकाबला है। इससे पहले भारत की ओर से इस टीम के खिलाफ सबसे



ज्यादा ODI खेलने का रिकॉर्ड अजहरुद्दीन के नाम था, जिन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ 43 मैच खेले थे। भारत के लिए वेस्टइंडीज के खिलाफ सबसे ज्यादा ODI मैच खेलने वाले खिलाड़ियों की सूची में कपिल देव 42 मैचों के साथ तीसरे, राहुल द्रविड़ 40 मैचों के साथ चौथे और एमएस धोनी 39 मैचों के साथ पांचवें स्थान पर हैं। सचिन तेंदुलकर ने भी वेस्टइंडीज के खिलाफ 39 ODI मुकाबले खेले हैं।

कोहली के निशाने पर चंद्रपॉल का रिकॉर्ड

गौरतलब है कि भारत और वेस्टइंडीज के बीच खेले गए ODI मुकाबलों में सबसे ज्यादा मैच खेलने का रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान शिवनारायण चंद्रपॉल के नाम है। उन्होंने 1994 से 2009 के बीच भारत के खिलाफ कुल 46 ODI मुकाबले खेले थे। मौजूदा सीरीज के तीनों मैचों में अगर कोहली मैदान पर उतरते हैं तो वह चंद्रपॉल के रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे।'

वहीं, वेस्टइंडीज के खिलाफ सबसे ज्यादा ODI खेलने वाले खिलाड़ियों की बात करें तो पाकिस्तान के पूर्व कप्तान जावेद मियांदाद और वसीम अकरम संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। दोनों ने कैरेबियाई टीम के खिलाफ 64-64 ODI मैच खेले हैं।

टीम इंडिया ने बुलेट ट्रेन से किया नागोया तक का सफर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम एशियन गेम्स में हिस्सा लेने के लिए जापान के नागोया शहर पहुंच चुकी है। टोक्यो से नागोया तक का यह सफर टीम इंडिया के प्लेयर्स ने जापान के हाई-स्पीड बुलेट ट्रेन से तय किया। अब टीम इंडिया का पूरा ध्यान एशियन गेम्स के क्वार्टर फाइनल मुकाबले पर है, जहां उसका सामना अफगानिस्तान से होगा। फैंस को उम्मीद है कि भारतीय टीम धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए देश के लिए गोल्ड मेडल जीतकर लाएगी। बीसीसीआई ने प्लेयर्स के ट्रैवलिंग फोटोज को सोशल मीडिया पर शेयर किया है।

भारतीय टीम पिछले एशियन गेम्स (हांगझोऊ) में गोल्ड मेडल जीता था और इस बार श्रेयस अय्यर एंड कंपनी अपना गोल्ड मेडल बचाने के इरादे से मैदान में उतरेगी। इससे पहले खेले गए एकमात्र टी20 मैच में भारत ने जापान को एक रोमांचक मुकाबले में दो रनों से हराया था। भारत और जापान के बीच ये मुकाबला टोक्यो में खेला गया था। अब टीम इंडिया उसी लय को बरकरार रखते हुए एशियन गेम्स में अपने सफर की शुरुआत करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

भारतीय टीम एशियन गेम्स में अपने सफर की शुरुआत 28 सितंबर को सुबह 10:30 बजे अफगानिस्तान के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मैच से करेगी। इस बार भारत ने एशियन गेम्स के लिए एक मजबूत टीम का चयन किया है, जिसकी कप्तानी श्रेयस अय्यर कर रहे हैं और दिग्गज पूर्व क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण टीम के हेड कोच हैं। पिछले एशियन गेम्स में ऋतुराज गायकवाड़ की कप्तानी में भारत का फाइनल मैच बारिश की वजह से धुल गया था, लेकिन बेहतर रैंकिंग के आधार पर भारतीय टीम ने गोल्ड मेडल अपने नाम किया था।

जापान के आइची-नागोया में खेले जा रहे एशियन गेम्स की मेंस क्रिकेट टूर्नामेंट अब नॉकआउट दौर में पहुंच गया है।

रोहित राजपाल छोड़ सकते हैं डेविस कप की कप्तानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय डेविस कप टीम के कप्तान रोहित राजपाल ने इस बात के संकेत दिए हैं कि वे जल्द ही अपने पद से इस्तीफा दे सकते हैं। राजपाल का कहना है कि वे किसी पद पर तब तक ही रहने में विश्वास रखते हैं, जब तक वे उसमें अपना सही योगदान दे सकें। उनका मौजूदा अनुबंध 31 दिसंबर 2026 तक का है, लेकिन उन्होंने कहा कि हर अच्छी चीज का एक अंत होता है और अब नए और युवा चेहरों को कप्तानी का मौका मिलना चाहिए। उन्होंने भरोसा जताया कि वे नए कप्तान को अपनी जिम्मेदारी आसानी से सौंपने के लिए अपना 4-5 साल का अनुभव साझा करने को तैयार हैं।

कप्तान के रूप में कैसा रहा रोहित का सफर

रोहित राजपाल 2019 में महेश भूपति के हटने के बाद भारतीय टीम के



नॉन-प्लेइंग कैप्टन बने थे। उनकी अगुवाई में भारत ने 12 में से 6 मुकाबलों में जीत दर्ज की। उनके कार्यकाल की सबसे बड़ी उपलब्धियों में डेनमार्क, स्विट्जरलैंड और नीदरलैंड्स जैसी मजबूत यूरोपीय टीमों पर जीत शामिल है, जिसकी बदौलत भारत टॉप-16 टीमों में जगह बनाने में सफल रहा। हालांकि हाल ही में साउथ कोरिया के खिलाफ मिली 1-3 की हार के कारण भारत डेविस कप के नॉक-आउट दौर में नहीं पहुंच सका।

युवा खिलाड़ियों को बढ़ावा और टीम की गहराई

राजपाल का मानना है कि उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि भारतीय खिलाड़ियों की मानसिकता बदलना और नए चेहरों को मौका देना रहा। उन्होंने विशेष रूप से युवा खिलाड़ी डीके सुरेश की तारीफ की, जिन्होंने दबाव के समय में भी आक्रामक खेल दिखाया।

इसके अलावा उन्होंने मानस धामने और अर्नव पापरकर जैसे उभरते खिलाड़ियों को डेविस कप के माहौल से ढालने के लिए टीम के साथ जोड़ा। उनका मानना है कि भारतीय टेनिस को केवल चुनिंदा खिलाड़ियों पर निर्भर रहने के बजाय युवाओं की एक मजबूत टीम तैयार करने की जरूरत है।

व्यापार

2 अक्टूबर को 'No UPI Day' मनाएंगे मोबाइल फोन विक्रेता

मुंबई (एजेंसी)। UPI ट्रांजैक्शन पर 0.4 प्रतिशत मर्चेंट डिस्काउंट रेट (MDR) फीस लगाने के विरोध में देश भर के मोबाइल फोन खुदरा विक्रेता 2 अक्टूबर को 'No UPI Day' मनाने की योजना बना रहे हैं। इंडस्ट्री एसोसिएशन AIMRA के एक सीनियर पदाधिकारी ने बताया कि 2 अक्टूबर को यूपीआई से लेनदेन नहीं किए जाएंगे। बताते चलें कि 15 अक्टूबर से कारोबारियों को 2000 रुपये से ज्यादा के यूपीआई लेनदेन पर 0.4 प्रतिशत की फीस देनी होगी। जबकि 2 व्यक्तियों के बीच (पी2पी) होने वाले यूपीआई लेनदेन और छोटे भुगतान पर कोई फीस नहीं लगेगी।

क्यूआर कोड को काले कपड़े से ढकेंगे दुकानदार

ऑल इंडिया मोबाइल रिटेलर्स एसोसिएशन (AIMRA) के वाइस



प्रेसिडेंट और दिल्ली-एनसीआर के अध्यक्ष तरविंदर सिंह ने बयान में कहा, "AIMRA ने यूपीआई ट्रांजैक्शन पर वसूले जाने वाले 0.4 प्रतिशत एमडीआर को लेकर मोबाइल खुदरा विक्रेताओं की चिंताओं को बताने के लिए 2 अक्टूबर 2026 को 'नो यूपीआई डे' का आह्वान किया है।" उन्होंने बताया कि 'गांधी जयंती' के मौके पर खुदरा विक्रेता सांकेतिक रूप से यूपीआई क्यूआर कोड को काले कपड़े से ढकेंगे और यूपीआई भुगतान स्वीकार करने से बचेंगे।

छोटे मोबाइल खुदरा विक्रेताओं पर हर महीने लगभग 40 करोड़ रुपये का पड़ेगा बोझ

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को AIMRA द्वारा भेजे गए एक ज्ञापन के अनुसार, यूपीआई पर एमडीआर लगाने से हर महीने यूपीआई के माध्यम से 5 से 30 लाख रुपये का लेनदेन करने वाले छोटे खुदरा विक्रेता को सीधे तौर पर 2000 से 12,000 रुपये का शुद्ध नुकसान होगा। इससे उनकी शुद्ध आय का एक बड़ा हिस्सा खत्म हो जाएगा। मोबाइल खुदरा विक्रेताओं के एसोसिएशन का अनुमान है कि 0.4 प्रतिशत एमडीआर से देश भर के छोटे मोबाइल खुदरा विक्रेताओं पर हर महीने लगभग 40 करोड़ रुपये और सालाना करीब 500 करोड़ रुपये का असहनीय बोझ पड़ेगा।

यूपीआई को शून्य एमडीआर ढांचे के तहत ही जारी रखे जाने की मांग

तरविंदर सिंह ने कहा, "अगर हम डिजिटल इंडिया चाहते हैं, तो यूपीआई पर एमडीआर शून्य ही रहना चाहिए। ये यूपीआई या डिजिटल इंडिया के खिलाफ कोई विरोध नहीं है।

हमारी चिंता सिर्फ डिजिटल भुगतान स्वीकार करने वाले व्यापारियों पर डाले जा रहे अतिरिक्त वित्तीय बोझ को लेकर है। हमारी स्पष्ट मांग है कि यूपीआई को 'शून्य एमडीआर' ढांचे के तहत ही जारी रखा जाना चाहिए।"

2600 स्ट्रीट फूड वेंडर्स को मिलेगी फूड सेफ्टी ट्रेनिंग

रायपुर (एजेंसी)। नेस्ले इंडिया ने छत्तीसगढ़ में 'सर्व सेफ फूड' प्रोजेक्ट के विस्तार के लिए एफडीए छत्तीसगढ़ और नेशनल एसोसिएशन ऑफ स्ट्रीट वेंडर्स ऑफ इंडिया (NASVI) के साथ साझेदारी की है।

इसके तहत मनेंद्रगढ़, बलरामपुर, जशपुर, सरगुजा, कोरबा, धमतरी, महासमुंद, बस्तर, कांकेर और रायपुर के 2600 स्ट्रीट फूड वेंडर्स को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे राज्य में प्रशिक्षित वेंडर्स की संख्या 6300 से अधिक हो जाएगी।

प्रशिक्षण में स्वच्छता, सुरक्षित खाद्य पदार्थों की हैंडलिंग, कचरा प्रबंधन और उद्यमिता से जुड़ी जानकारी दी जाएगी। प्रशिक्षण का अंतिम चरण रायपुर में मेयर मीनल चौबे और एफडीए अधिकारियों की मौजूदगी में आयोजित किया गया।

नेस्ले इंडिया के अनुसार, 'सर्व सेफ फूड' प्रोजेक्ट के तहत देश के 27 राज्यों और 4 केंद्र शासित प्रदेशों में अब तक 1.20 लाख से अधिक स्ट्रीट फूड वेंडर्स को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। कंपनी ने यह पहल वर्ष 2016 में शुरू की थी।

सरकारी कंपनी पेट्रोनेट के डायरेक्टरों को 5 साल और मिलेगा मुनाफे का 1-1 प्रतिशत कमीशन

मुंबई, (एजेंसी)। देश की सबसे बड़ी गैस इंपोर्टिंग कंपनी पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड ने अपने डायरेक्टरों को मुनाफे के आधार पर दिए जाने वाले कमीशन की व्यवस्था को 2026-27 से अगले 5 साल तक जारी रखने के लिए शेयरहोल्डरों की मंजूरी मांगी है। कंपनी के अगली आम बैठक के नोटिस के अनुसार, वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक डायरेक्टरों को हर साल कंपनी के मुनाफे का अधिकतम 1 प्रतिशत कमीशन के रूप में दिया जा सकेगा। इस राशि का डायरेक्टरों के बीच बंटवारा बोर्ड द्वारा तय किया जाएगा।

2007, 2011 और 2016 में इस तरह के प्रस्तावों को मिल चुकी है मंजूरी

शेयरहोल्डरों ने इससे पहले सितंबर, 2021 में वित्त वर्ष 2021-22 से 2025-26 तक के लिए इस व्यवस्था को मंजूरी दी थी। इससे पहले भी 2007, 2011 और 2016 में इसी तरह के प्रस्तावों को मंजूरी मिल चुकी है। कंपनी ने कहा है कि उसकी मजबूत वित्तीय स्थिति को देखते हुए कमीशन की व्यवस्था को आगे जारी रखने का प्रस्ताव रखा गया है।

सीईओ अक्षय कुमार सिंह को पिछले साल मिला था 26.5 लाख रुपये का कमीशन

वित्त वर्ष 2025-26 में पेट्रोनेट एलएनजी के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ अक्षय कुमार सिंह और बाकी फुल टाइम डायरेक्टरों को 26.5-26.5 लाख रुपये का कमीशन मिला था। इससे पिछले वित्त वर्ष में ये राशि 25.5 लाख रुपये थी। अक्षय कुमार सिंह का कमीशन समेत कुल पारिश्रमिक वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़कर 3.64 करोड़ रुपये हो गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 3.03 करोड़ रुपये था।

वित्त वर्ष 2025-26 में पूर्णकालिक निदेशकों के लिए अधिकतम कमीशन 79.5 लाख रुपये था

कंपनी के स्वतंत्र निदेशकों (Independent Directors) को भी वित्त वर्ष 2025-26 में मुनाफे पर 10 लाख रुपये का कमीशन मिला। इसके अलावा उन्हें मीटिंग में हिस्सा लेने के लिए तय की गई फीस भी दी गई। पेट्रोनेट के अनुसार, वास्तविक रूप से दिया गया कमीशन वैधानिक सीमा से काफी कम रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 में पूर्णकालिक निदेशकों (Full-Time Directors) के लिए अधिकतम कमीशन 79.5 लाख रुपये और स्वतंत्र निदेशकों के लिए 55 लाख रुपये था। इस तरह कुल अधिकतम सीमा 134.5 लाख रुपये थी।

कमीशन की राशि कर-पूर्व लाभ की तुलना में बहुत मामूली

कंपनी ने कहा कि कमीशन की राशि कर-पूर्व लाभ (Profit Before Tax) की तुलना में बहुत मामूली है और कंपनी अधिनियम, 2013 में निर्धारित समग्र सीमा के भीतर है। वित्त वर्ष 2025-26 में पेट्रोनेट एलएनजी का शुद्ध लाभ 3843 करोड़ रुपये रहा, जबकि कंपनी का राजस्व 43,495 करोड़ रुपये था।

1 जनवरी से 8.9% महंगी हो जाएगी माल ढुलाई, DHL Express भारत में बढ़ाएगा चार्ज

मुंबई, (एजेंसी)। लॉजिस्टिक सर्विस प्रोवाइडर कंपनी DHL Express 1 जनवरी, 2027 से भारत में माल ढुलाई के चार्ज में 8.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी करेगी। कंपनी ने शनिवार को ये जानकारी दी। डीएचएल एक्सप्रेस के अनुसार ये सालाना शुल्क बढ़ोतरी महंगाई के दबाव, मुद्रा में उतार-चढ़ाव और लागत में बढ़ोतरी जैसे अलग-अलग कारकों के चलते की जाएगी।

220 से भी ज्यादा देशों में सर्विस देती है DHL Express

डीएचएल एक्सप्रेस ने कहा कि 220 से ज्यादा देशों और क्षेत्रों में काम करने वाले एक अंतरराष्ट्रीय एकीकृत व्यवसाय के रूप में कंपनी को न सिर्फ स्थानीय आर्थिक स्थितियों, बल्कि वैश्विक बाजारों के घटनाक्रमों का भी सामना करना होता है। सर्विस और भरोसे के उच्च स्तर को बनाए रखने में सक्षम बनाता है



सालाना मूल्य समायोजन

डीएचएल एक्सप्रेस के दक्षिण एशिया के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट आर. एस. सुब्रमण्यन ने कहा, "ये सालाना मूल्य समायोजन हमें सर्विस और भरोसे के उस उच्च स्तर को बनाए रखने में सक्षम बनाता है, हमारे ग्राहक जिसकी उम्मीद करते हैं। इसके साथ ही, ये हमारे वैश्विक परिचालन के लचीलेपन और अनुकूलन क्षमता को भी मजबूत करता है।"

बिजनेस के लिए नए मौके पैदा कर रहा है अंतरराष्ट्रीय व्यापार

आर. एस. सुब्रमण्यन ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार बिजनेस के लिए नए मौके पैदा कर रहा है।

सुब्रमण्यन ने कहा, "हम अपने वैश्विक नेटवर्क, डिजिटल क्षमताओं, सुरक्षा बुनियादी ढांचे और टिकाऊ लॉजिस्टिक समाधानों में निवेश करके अपने ग्राहकों को इस बदलते परिवेश में आगे बढ़ने में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।"

महंगाई के अलावा, कई अन्य वजहों से भी बढ़ रही है कंपनी की लागत

डीएचएल एक्सप्रेस ने बताया कि महंगाई के अलावा, उसकी लागत संरचना ऊर्जा खर्च, अनुपालन आवश्यकताओं तथा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्राधिकरणों द्वारा लागू किए जाने वाले नए कस्टम, रेगुलेटरी और सुरक्षा उपायों से भी लगातार प्रभावित हो रही है। डीएचएल एक्सप्रेस के अनुसार, कई देशों में लेबर मार्केट पर लगातार दबाव भी ऑपरेशनल लागत बढ़ने की एक वजह है।

अमेरिका में हुई थी कंपनी की स्थापना, 2002 में जर्मन कंपनी ने खरीदा

बताते चलें कि डीएचएल एक्सप्रेस एक जर्मन कंपनी है। ये दुनिया की सबसे बड़ी लॉजिस्टिक्स कंपनियों में से एक है। डीएचएल एक्सप्रेस, डॉयचे पोस्ट डीएचएल ग्रुप का हिस्सा है। इसकी स्थापना साल 1969 में अमेरिका में हुई थी। साल 2002 में जर्मनी की सरकारी पोस्टल सर्विस कंपनी डॉयचे पोस्ट ने इसे खरीद लिया था।

साइबर ठगी रोकने एआई आधारित सुरक्षा बढ़ा रहा एयरटेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में डिजिटल सेवाओं के विस्तार के साथ साइबर धोखाधड़ी के मामले भी बढ़ रहे हैं। आई4सी के अनुसार, पिछले छह वर्षों में साइबर फ्रॉड से भारतीयों को 52,976 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। बढ़ते खतरे के बीच एयरटेल ने नेटवर्क स्तर पर डिजिटल सुरक्षा को मजबूत करने के लिए एआई आधारित 'सेफ नेटवर्क' पहल का विस्तार किया है। कंपनी ने सितंबर 2024 में नेटवर्क आधारित एआई स्पैम डिटेक्शन सिस्टम शुरू किया था। एयरटेल के अनुसार, इसके जरिए अब तक 98.4 अरब से अधिक स्पैम कॉल और 4.4 अरब स्पैम मैसेज की पहचान की जा चुकी है। कंपनी ने दुर्भावनापूर्ण लिंक की पहचान और ब्लॉकिंग की सुविधा भी शुरू की है, जिसके तहत 16.2 लाख से अधिक खतरनाक लिंक ब्लॉक किए गए हैं। इसके अलावा ओटीपी धोखाधड़ी की पहचान और संदिग्ध बातचीत में हस्तक्षेप करने के लिए एआई सुरक्षा प्रणाली तथा सत्यापित बिजनेस कॉल की पहचान के लिए 'बिजनेस नेम डिस्प्ले' सुविधा भी शुरू की गई है।

युगपुरुष श्रद्धेय अशोक सिंहल जी का जन्मशताब्दी वर्ष



– प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

स्वर्गीय अशोक सिंघल जी के विचार बहुत सुलझे हुए थे। वे स्पष्ट रूप से मानते थे कि समाज में समरसता के साथ ही भाईचारे का संदेश मजबूत होना चाहिए। उन्होंने सामाजिक एकता और समानता के लिए निरंतर कार्य किया। उनका साफ मत था कि समाज में किसी प्रकार का कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति समान गरिमा व सम्मान का अधिकारी है। यही वजह थी कि उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर की पहली ईंट रखने को लेकर अपने विचार को स्पष्ट रूप से रखा। उन्होंने ही कहा था कि यह पुनीत कार्य बिहार के वीएचपी कार्यकर्ता और वंचित वर्ग से आने वाले श्री कामेश्वर चौपाल जी के हाथों से हो। काशी में एक धर्म संसद के दौरान उन्होंने डोम राजा को सम्मानित करने का फैसला किया और कई सामुदायिक अभियानों में उनके साथ मिलकर काम किया।

एक बहुत सुंदर सुभाषित है, "वृक्ष कबहुँ नहिं फल भखै, नदी न संचै नीर। परमारथ के कारने, साधुन धरा शरीर।" इसका मतलब है कि पेड़ कभी अपने फल स्वयं नहीं खाता, नदी अपना जल अपने पास नहीं रखती। इसी तरह, संत स्वभाव के लोग भी स्वयं को प्राथमिकता ना देते हुए, सदैव दूसरों की सेवा के लिए तत्पर रहते हैं, अपना जीवन लोक कल्याण के लिए समर्पित कर देते हैं। सदियों से हमारे ऋषियों ने हमें यही सिखाया है कि मानवता के कल्याण के लिए समर्पित जीवन का महत्व व्यक्तिगत उपलब्धियों से कहीं अधिक होता है। श्रद्धेय अशोक सिंघल जी का जीवन इस भावना का पुण्य उदाहरण है।

27 सितंबर से हम स्वर्गीय अशोक सिंघल जी का जन्म-शताब्दी वर्ष मनाने जा रहे हैं। यह एक महान विभूति के सम्मान का सुअवसर है। उन्होंने आध्यात्मिक साधना, सांस्कृतिक जागरण और दशकों तक समर्पित भाव से समाज एवं संगठन के कार्यों को आगे बढ़ाया।

यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि मुझे स्वर्गीय अशोक जी के साथ लंबे समय तक कार्य करने, उनसे सीखने, उनसे संवाद करने और उनका स्नेह प्राप्त करने का अवसर मिला। मुझे 1981 का एक प्रसंग याद आता है। उस समय मैं एक युवा कार्यकर्ता के तौर पर संगठन की ओर से मिली जिम्मेदारियां निभा रहा था। तब मुझे अशोक जी का हाथ से लिखा एक पत्र मिला। उन्होंने पत्र में आने वाले एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी थी और मुझे कुछ जिम्मेदारियां सौंपी थीं। उस समय अशोक सिंघल जी से पत्र पाना, मेरे लिए बहुत विशेष और यादगार क्षण बन गया था।

मैंने उन्हें कई दशकों तक दिन-रात काम करते देखा। वे देश के दूर-दराज के क्षेत्रों की लंबी और कई बार कठिन यात्राएं किया करते थे। गुजरात के आदिवासी क्षेत्रों में जाना उन्हें विशेष रूप से प्रिय था। वे लगातार इस पर चिंतन करते थे कि समाज के वंचित और अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों के लिए और क्या किया जा सकता है।

जब भी देश में कहीं प्राकृतिक आपदा आती, तो अशोक सिंघल जी सबसे पहले वहां पहुंचने वालों में होते या फिर प्रभावित लोगों की सहायता के लिए कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन देते। वर्ष 2001 में कच्छ में आए भूकंप के बाद उनके साथ का मेरा अनुभव अविस्मरणीय बन गया।

आदरणीय अशोक जी अत्यंत प्रतिष्ठित और संपन्न परिवार से थे। उनके पिता श्री महावीर जी की एक प्रशासक के रूप में पहचान थी। उनके एक भाई श्री बी.पी. सिंघल जी पुलिस अधिकारी बने और बाद में संसद सदस्य भी रहे। दूसरे भाई श्री वी.पी. सिंघल जी त्रिपुरा के तब मुख्य सचिव बने, जब यह नया राज्य बना था। परिवार के अन्य सदस्यों ने भी कॉमर्स और कृषि के क्षेत्र में सफलता हासिल की। लेकिन शुरू से ही अशोक जी का झुकाव बिल्कुल अलग दिशा में था। बहुत कम उम्र में ही उनके व्यवहार में दूसरों के प्रति करुणा और सेवा की अद्भुत भावना दिखने लगी थी। वे चाहते थे कि भारत का पुनरुत्थान हो और मां भारती की संतान गौरवशाली उपलब्धियां हासिल करें। प्रयागराज में पले-बढ़े अशोक जी कई घंटे संगम के तट पर बैठा करते थे। नदी के प्रति उनका स्वाभाविक आकर्षण था। वहां आने वाले साधु-संत और श्रद्धालुओं से भी उनकी बहुत आत्मीयता थी। इससे भारत के सांस्कृतिक लोकाचार की उनकी समझ और समृद्ध हुई। समाज के लिए कुछ करने का उनका संकल्प भी और दृढ़ हुआ। दूसरों के लिए जीने की यही ललक उन्हें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में ले आई। उनको जो भी जिम्मेदारी मिली, उसे उन्होंने पूरे उत्साह, अनुशसन और कर्तव्यभाव से निभाया।

श्री अशोक सिंघल जी ने अपने निरंतर प्रयास और अथक परिश्रम से अनेक संस्थाओं और आंदोलनों को मजबूत किया। अपनी ओजस्वी वाणी और अभिव्यक्ति की अद्भुत शैली से वे पूरी सभा को मंत्रमुग्ध कर देते थे। अपने साथी कार्यकर्ताओं के प्रति वे अत्यधिक स्नेह रखते थे। जो भी उनके संपर्क में आता, वह उनकी सादगी से प्रभावित हुए बिना नहीं रहता। संत समाज के साथ उनके संबंध बहुत प्रगाढ़ थे। देशभर के साधु-संतों के बीच भी उनका काफी सम्मान था। संतगण उनके परामर्श को महत्व देते थे और उनकी बातों को पूरे आदरभाव से सुनते थे।

मेरी स्मृति में ऐसी दो घटनाएं उभर रही हैं, जिनसे श्री अशोक सिंघल जी के विराट व्यक्तित्व को समझा जा सकता है। पहली घटना 1993 की है। विश्व हिंदू परिषद ने स्वामी विवेकानंद जी के शिकागो संबोधन के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में अमेरिका में एक सम्मेलन आयोजित किया था। विदेश में ऐसे भव्य सम्मेलन का विजन, उसकी प्लानिंग और विभिन्न समूहों को एक मंच पर लाने का भगीरथ प्रयास श्री अशोक जी के अद्वितीय संगठनात्मक कौशल का परिचायक था।

दूसरी घटना वर्ष 2000 की है, जब त्रिनिदाद और टोबैगो के पोर्ट ऑफ स्पेन में विश्व हिंदू सम्मेलन का आयोजन हुआ था। उस समय मैं भी वहीं था। मैंने प्रत्यक्ष देखा कि अशोक सिंघल जी की उपस्थिति ने अन्य प्रतिनिधियों में कितना उत्साह भर दिया था। मेरे संबोधन के बाद उन्होंने जिस तरह मेरी सराहना की, वो मेरे लिए बहुत भावुक कर देने वाला अनुभव था। मैंने एक बार फिर अनुभव किया कि उनका प्रोत्साहन किस तरह हर कार्यकर्ता को नई ऊर्जा से भर देता था।

राम जन्मभूमि आंदोलन में श्री अशोक सिंघल जी की ऐतिहासिक भूमिका का स्मरण किए बिना उनका कोई भी उल्लेख अधूरा है। वर्ष 1991 की बोट क्लब रैली में दिए गए उनके ओजस्वी संबोधन को कौन भूल सकता है? या आंदोलन के चरम पर लहूलुहान और घायल अवस्था में अशोक जी की वह ऐतिहासिक तस्वीर भला किसकी स्मृति से मिट सकती है? आज अयोध्या में भव्य राम मंदिर है, तो इसके पीछे अशोक जी जैसी विभूतियों का निस्वार्थ समर्पण है, जिन्होंने इसे संभव बनाने के प्रयास में स्वयं को पूरी तरह खपा दिया। आज यदि अशोक जी हमारे बीच होते तो अयोध्या में राम मंदिर को देखकर वो सबसे अधिक भावुक एवं प्रसन्न होते।

स्वर्गीय अशोक सिंघल जी के विचार बहुत सुलझे हुए थे। वे स्पष्ट रूप से मानते थे कि समाज में समरसता के साथ ही भाईचारे का संदेश मजबूत होना चाहिए। उन्होंने सामाजिक एकता और समानता के लिए निरंतर कार्य किया। उनका साफ मत था कि समाज में किसी प्रकार का कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति समान गरिमा व सम्मान का अधिकारी है। यही वजह थी कि उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर की पहली ईंट रखने को लेकर अपने विचार को स्पष्ट रूप से रखा। उन्होंने ही कहा था कि यह पुनीत कार्य बिहार के वीएचपी कार्यकर्ता और वंचित वर्ग से आने वाले श्री कामेश्वर चौपाल जी के हाथों से हो। काशी में एक धर्म संसद के दौरान उन्होंने डोम राजा को सम्मानित करने का फैसला किया और कई सामुदायिक अभियानों में उनके साथ मिलकर काम किया।

राष्ट्र-निर्माण के साथ ही श्री अशोक सिंघल जी के दो ऐसे प्रिय क्षेत्र थे, जो उनके हृदय के अत्यंत निकट थे। शिक्षा (विशेषकर वैदिक शिक्षा) और संगीत, इन दोनों से उनका गहरा लगाव था। वाराणसी के सांसद के रूप में मुझे इस बात पर अत्यंत गर्व की अनुभूति होती है कि जहां का मैं प्रतिनिधित्व करता हूं, उस शाश्वत काशी ने श्री अशोक सिंघल जी के जीवन में एक अहम भूमिका निभाई। उन्होंने बीएचयू से शिक्षा प्राप्त की थी और वे एक मेधावी छात्र के रूप में जाने जाते थे। वे एकल विद्यालय की पहल से भी गहराई से जुड़े थे, जिसने दूर-दराज के गांवों, खासकर जनजातीय समुदायों तक बुनियादी शिक्षा पहुंचाने का कार्य किया। वे जितने गहरे अध्येता और उत्साही पाठक थे, उतने ही अच्छे श्रोता भी थे। वे युवा कार्यकर्ताओं को सदैव पुस्तकें पढ़ने के लिए प्रेरित करते रहते थे।

आदरणीय अशोक जी को निकट से जानने वालों को पता है कि वे कितना सुंदर गाते थे। मुझे नागपुर की उन बैठकों की याद आती है, जिसमें वे 'एकल गीत' गाया करते थे।

उनका गायन सभी को मंत्रमुग्ध कर देता था और पूरी बैठक में नई ऊर्जा भर जाती थी। वर्ष 2015 में उनके 90वें जन्मदिवस समारोह का एक वीडियो खूब वायरल हुआ था, जिसमें उन्होंने 'हे मातृभूमि मेरी, हे पितृभूमि मेरी' गाकर सभी को चौंका दिया था।

स्वर्गीय अशोक सिंघल जी ने अपने जीवन में हर क्षण इस महान राष्ट्र के उत्कर्ष का ही स्वप्न देखा था। उनके आदर्शों से आज भी हमें ये प्रेरणा मिलती है। उनकी जन्मशती के इस पावन अवसर पर हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अधिक से अधिक युवा उनके विराट व्यक्तित्व और महानता से परिचित हों। आइए, हम अपने राष्ट्र और देशवासियों के लिए अशोक सिंघल जी के सपनों को साकार करने के संकल्प को एक बार फिर दोहराएं।

(पीआईबी)

बाढ़ के बीच जिला प्रशासन बना जीवनरक्षक, एयरलिफ्ट से सुरक्षित लाए गए 6 कर्मचारी

रायपुर ■ दैनन्दिनी

लगातार बारिश और बाढ़ के बीच इन्द्रावती नदी पार माड़ क्षेत्र में फंसे पटवारी एवं सर्वेयर सहित 6 कर्मचारियों को जिला प्रशासन की त्वरित कार्रवाई से एयरलिफ्ट कर सुरक्षित बीजापुर लाया गया। जिला मुख्यालय पहुंचने के बाद सभी कर्मचारियों का जिला अस्पताल में स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया, जिसमें सभी की स्वास्थ्य स्थिति सामान्य पाई गई।

उल्लेखनीय है कि गिरदावरी सर्वे कार्य के लिए पटवारी एवं सर्वेयर का 6 सदस्यीय दल बड़ेपल्ली और गुट्टामंगी क्षेत्र में गया था। इसी दौरान लगातार बारिश के कारण नदी-नालों में जलस्तर बढ़ गया और क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति निर्मित होने से कर्मचारी वहीं फंस गए। कर्मचारियों के फंसे होने की जानकारी मिलते ही कलेक्टर श्री विश्वदीप ने तत्काल रेस्क्यू की कार्रवाई के निर्देश दिए। जिला प्रशासन ने बिना समय गंवाए एयरलिफ्ट की व्यवस्था कर सभी 6 कर्मचारियों को सुरक्षित जिला



मुख्यालय पहुंचाया। जिला अस्पताल में कलेक्टर श्री विश्वदीप की उपस्थिति में कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। कलेक्टर ने सभी कर्मचारियों से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी ली। सुरक्षित लौटे कर्मचारियों के चेहरे पर राहत और अपनों से दोबारा मिलने की खुशी साफ दिखाई दी। कलेक्टर ने कठिन परिस्थितियों में अपने दायित्व का निर्वहन करने के लिए कर्मचारियों के कार्य की सराहना की।

इस अवसर पर कलेक्टर श्री विश्वदीप ने कहा कि बाढ़ और आपदा की परिस्थितियों में जिला प्रशासन पूरी सजगता और तत्परता के साथ कार्य कर रहा है। प्रत्येक व्यक्ति की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। राहत एवं बचाव दल लगातार परिस्थितियों पर नजर बनाए हुए हैं, ताकि किसी भी प्रकार की जनहानि को रोका जा सके और जरूरतमंदों तक समय पर सहायता पहुंचाई जा सके।

बाढ़ की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बीच जिला प्रशासन की त्वरित पहल से 6 कर्मचारियों की सुरक्षित वापसी ने यह भरोसा मजबूत किया कि आपदा की घड़ी में प्रशासन हर कदम पर अपने लोगों के साथ खड़ा है इस दौरान आपदा प्रबंधन के नोडल अधिकारी श्री मुकेश देवांगन, तहसीलदार श्री पंचराम सलामे, जिला सेनानी श्री पी.बी. सिदार सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

5 किलोवाट का रूफटॉप सोलर संयंत्र बना घर की बिजली का सहारा

रायपुर ■ दैनन्दिनी

घर की छत पर लगा सोलर पैनल अब परिवारों की बिजली जरूरत पूरी करने के साथ उनके मासिक खर्च में बचत का माध्यम भी बन रहा है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ लेकर सरगुजा जिले के ग्राम जरहाडढ़ निवासी मनोरंजन सिंह ने अपने घर में 5 किलोवाट क्षमता का रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित कराया है। सौर ऊर्जा से घर की बिजली जरूरतें पूरी होने से परंपरागत बिजली पर निर्भरता कम हुई है और परिवार को बिजली खर्च में राहत मिली है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित करने के लिए केंद्र सरकार के साथ राज्य सरकार की ओर से भी आर्थिक सहायता दी जा रही है। 5 किलोवाट के सोलर संयंत्र पर केंद्र सरकार से 78 हजार रुपये और राज्य सरकार से 30 हजार रुपये मिलाकर कुल 1 लाख 8 हजार रुपये की सब्सिडी से हितग्राहियों के लिए शुरुआती लागत का भार कम हो रहा है।

इसी व्यवस्था का लाभ लेकर मनोरंजन सिंह ने अपने घर को सौर ऊर्जा से जोड़ा है। दिन के समय सोलर संयंत्र से उत्पादित बिजली का उपयोग घर की जरूरतों को पूरा करने में हो रहा है। इससे परिवार की नियमित बचत भी बढ़ी है। मनोरंजन सिंह बताते हैं कि सोलर संयंत्र स्थापित होने के बाद बिजली खर्च में राहत मिली है।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ ने वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में दर्ज किया 99.31% का शानदार क्लेम सेटलमेंट रेशियो

रायपुर (दैनंदिनी ब्यूरो)। आ ई सी आ ई सी आ ई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही के लिए 99.31% का क्लेम सेटलमेंट रेशियो घोषित किया है, जो आधिकारिक आकड़ों (फॉर्म एल-39 और एल-40) के आधार पर भारत की शीर्ष जीवन बीमा कंपनियों में सबसे अधिक है। इस तिमाही के दौरान, कंपनी ने 414.08 करोड़ रुपए मूल्य के व्यक्तिगत मृत्यु दावों का निपटान किया। विशेष रूप से, वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में प्रमुख जीवन बीमाकर्ताओं में कंपनी का प्रति दावा औसत मूल्य लगभग 15 लाख रुपए था, जो सबसे अधिक है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस के चीफ- अंडरराइटिंग एंड रिटेल क्लेम्स, श्री सारंग गोखले ने कहा, "आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ में, हम अपने ग्राहकों और उनके परिवारों के लिए क्लेम प्रक्रिया को सरल, सुगम और समय पर पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में, हमारा क्लेम सेटलमेंट रेशियो इंडस्ट्री में सबसे अधिक 99.31% रहा। इसके साथ ही, बिना जाँच वाले मामलों में आखिरी दस्तावेज मिलने की तारीख से क्लेम सेटल करने का हमारा औसत समय सिर्फ 1 दिन का रहा। इसके अलावा, हमने मृत्यु दावों के रूप में 414.08 करोड़ रुपए का भुगतान किया।"

ICICI PRUDENTIAL LIFE INSURANCE
Trusted by over 20 crore Indians in 25 YEARS
Ke Saath Zimmedari Lagey Pyaari

"हमारी 'कस्टमर-फर्स्ट' सोच और डिजिटलीकरण पर मजबूत फोकस हमें क्लेम को तेजी से निपटाने में सक्षम बनाता है, जिससे परिवारों को उस समय वित्तीय राहत मिल सके जब उन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत होती है। क्लेम करने वाले लोग हमारे मोबाइल ऐप, व्हाट्सएप, चैटबॉट और वेबसाइट के माध्यम से आसानी से क्लेम दर्ज और ट्रैक कर सकते हैं।"

"अपनी 'क्लेम फॉर श्योर' पहल के तहत, हमने पात्र क्लेम के लिए एक ही दिन के भीतर लगभग 75 करोड़ रुपए का भुगतान किया है। हम अपनी डिजिटल प्रक्रियाओं को लगातार मजबूत कर रहे हैं, ताकि जरूरत के समय परिवारों को समय पर सहायता मिल सके।"

सियान सेवा सदन में 'मन की बात' : वृद्धजनों के साथ भाजपा जिला अध्यक्ष अनिल चंद्राकर ने किया श्रवण

राष्ट्र निर्माण और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प पर हुई चर्चा

सेवा संकल्प अभियान के तहत किया फल वितरित

गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 138वां एपिसोड का सामूहिक श्रवण कार्यक्रम गरियाबंद के भिलाई स्थित सियान सेवा सदन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वृद्धजनों, वरिष्ठ नागरिकों, भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। वृद्ध रमला बाई साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को मन की बात में देशवासियों को संबोधित करते हैं।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने संबोधन में सर्जिकल स्ट्राइक को याद करते हुए देश के वीर जवानों के साहस, शौर्य और पराक्रम को नमन किया। उन्होंने आगामी जनगणना में देश के प्रत्येक नागरिक से सहभागी बनने की अपील करते हुए जनगणना की प्रक्रिया के संबंध में भी जानकारी साझा की।

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने विश्व हिंदू परिषद के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वर्गीय अशोक सिंघल जी की जयंती के



अवसर पर उनके राष्ट्र एवं समाज के लिए किए गए योगदान को स्मरण किया। उन्होंने सोमनाथ मंदिर के गौरव और उसके ऐतिहासिक संघर्षों का उल्लेख करते हुए कहा कि अनेक आक्रमणों के बावजूद आज भी सोमनाथ की भव्यता और भारतीय संस्कृति का गौरव पूरी दृढ़ता के साथ कायम है। इसी क्रम में उन्होंने मोढेरा सूर्य मंदिर की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विशेषताओं पर भी अपने विचार रखे।

श्री मोदी जी ने राष्ट्र निर्माण, स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए देशभर में जनमानस द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण से होने वाले लाभों पर प्रकाश डालते हुए अधिक से अधिक लोगों को प्रकृति के संरक्षण के लिए आगे आने का आह्वान किया।

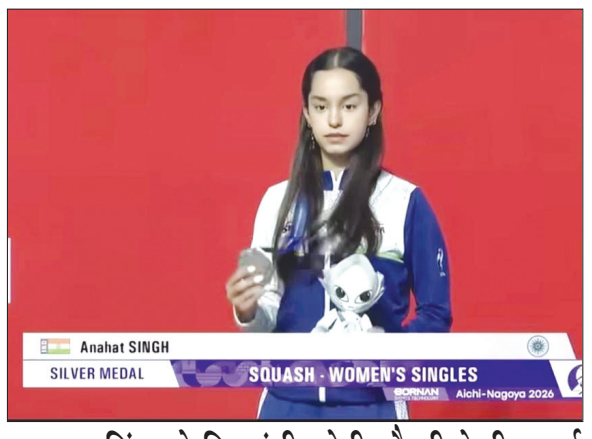
उन्होंने नशामुक्त युवा अभियान से जुड़े युवाओं के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि युवाओं की सकारात्मक ऊर्जा और संकल्प आने वाले समय में विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

प्रधानमंत्री ने प्रतापगढ़ के किसानों द्वारा आंवला उत्पादन के माध्यम से आत्मनिर्भरता की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि वहां 100 से अधिक इकाइयां इस क्षेत्र में कार्य कर रही हैं, जिससे किसानों की आय में वृद्धि हो रही है। साथ ही उन्होंने 'वोकल फॉर लोकल' को बढ़ावा देने और स्थानीय उत्पादों को अपनाने की अपील की।

प्रधानमंत्री ने छत्तीसगढ़ की मुनगा सब्जी के पोषण संबंधी लाभों का भी उल्लेख किया तथा देश को कुपोषण मुक्त बनाने के लिए पौष्टिक आहार और स्थानीय खाद्य पदार्थों को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

इस अवसर पर भाजपा जिला गरियाबंद के अध्यक्ष अनिल चंद्राकर, मंत्री भाजपा जिला सुरेंद्र सोनटेके, मंडल अध्यक्ष बिन्द्रानवागढ़ धनराज विश्वकर्मा, सियान सेवा सदन के संचालक कोमल साहू सहित बड़ी संख्या में बुजुर्गजन एवं उपस्थित नागरिकों ने 'मन की बात' का श्रवण किया।

कार्यक्रम के माध्यम से उपस्थित लोगों ने प्रधानमंत्री जी के स्वच्छ, आत्मनिर्भर, नशामुक्त, पर्यावरण-संरक्षित एवं विकसित भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।



अनाहत सिंह को वित्तमंत्री ओपी चौधरी ने दी बधाई

रायपुर.वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने एशियन गेम्स 2026 की महिला एकल स्क्वैश स्पर्धा में रजत पदक जीतने पर युवा भारतीय खिलाड़ी अनाहत सिंह को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

श्री चौधरी ने कहा कि अनाहत सिंह की यह ऐतिहासिक उपलब्धि भारतीय स्क्वैश और पूरे देश के लिए गौरव का क्षण है। उन्होंने अपनी प्रतिभा, आत्मविश्वास और शानदार खेल से एशियन गेम्स के प्रतिष्ठित मंच पर तिरंगे का मान बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय मंच पर इस स्तर की उपलब्धि हासिल करना अनाहत की कड़ी मेहनत, अनुशासन और खेल के प्रति समर्पण को दर्शाता है। उनकी सफलता देश की युवा खेल प्रतिभाओं, विशेषकर बेटियों को बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने के लिए प्रेरित करेगी। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने अनाहत सिंह के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आगामी प्रतियोगिताओं में और बड़ी उपलब्धियां हासिल करने के लिए शुभकामनाएं दीं।

एशियन गेम्स में अभय सिंह का शानदार प्रदर्शन वित्तमंत्री ओपी चौधरी ने दी बधाई

रायपुर.वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने एशियन गेम्स 2026 की पुरुष एकल स्क्वैश स्पर्धा में रजत पदक जीतने पर भारतीय खिलाड़ी



अभय सिंह को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। श्री चौधरी ने कहा कि अभय सिंह ने अपने शानदार खेल, कौशल और दृढ़ संकल्प से अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का गौरव बढ़ाया है। एशियन गेम्स जैसे प्रतिष्ठित मंच पर रजत पदक हासिल करना उनकी कड़ी मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास का परिणाम है। उन्होंने कहा कि अभय सिंह की यह उपलब्धि देश के युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायी है और भारतीय स्क्वैश की बढ़ती ताकत को प्रदर्शित करती है। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने अभय सिंह के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आगामी प्रतियोगिताओं में और बड़ी उपलब्धियां हासिल करने के लिए शुभकामनाएं दीं।

ओ.पी. चौधरी ने सुना के 'मन की बात'

रायपुर.वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने आज अपने रायपुर निवास में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 138वें एपिसोड को सुना। इस दौरान प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सर्जिकल स्ट्राइक में भारतीय सेना के वीर जवानों के शौर्य, नशामुक्ति अभियान, पोषण, पर्यावरण संरक्षण और जनभागीदारी सहित विभिन्न विषयों पर देशवासियों से संवाद किया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सर्जिकल स्ट्राइक के दस वर्ष पूरे होने का उल्लेख करते हुए भारतीय सेना के वीर जवानों के साहस और शौर्य को याद किया। उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए चलाए जा रहे 'नशा मुक्त युवा अभियान' की चर्चा करते हुए युवाओं से स्वयं नशे से दूर रहने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।

'मन की बात' में प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा छत्तीसगढ़ के 'हर घर मुनगा-घर घर मुनगा' अभियान का विशेष उल्लेख किया गया। उन्होंने पोषण माह की चर्चा करते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ में इस अभियान के माध्यम से लोगों को पौष्टिक मुनगा यानी मोरिंगा को अपने खान-पान में शामिल करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

'आंगन मिलन' कार्यक्रम में शामिल हुईं केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर

रायपुर ■ दैनन्दिनी

सेवा संकल्प अभियान के तहत आज दुर्ग जिले के भिलाई स्थित आंगनबाड़ी केंद्र सेक्टर-7 में 'आंगन मिलन' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर भी शामिल हुईं। इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक श्री ललित चंद्राकर, वरिष्ठ नागरिक श्री सुरेंद्र कौशिक, श्री पुरूषोत्तम देवांगन एवं महिला मोर्चा भिलाई की अध्यक्ष श्रीमती स्वीटी कौशिक उपस्थित रहीं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर ने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाएं और आशा कार्यकर्ता प्रधानमंत्री के सेवा-संकल्प की भावना के अनुरूप समर्पण के साथ कार्य कर रही हैं। वे शासन की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के साथ गर्भवती महिलाओं, माताओं और बच्चों की देखभाल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कार्यकर्ताओं द्वारा महिलाओं और बच्चों को पोषण, खान-पान तथा टीकाकरण के संबंध में समय-समय पर आवश्यक जानकारी दी जाती है। उन्होंने कहा कि अच्छे कार्य के लिए मिलने वाला प्रोत्साहन कार्यकर्ताओं में और अधिक ऊर्जा के साथ काम करने की प्रेरणा देता है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को बच्चों के अभिभावकों के सहयोग की भी आवश्यकता होती है। अभिभावक अपने बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्र भेजने के साथ कार्यकर्ताओं द्वारा दी जाने वाली जानकारी और



मार्गदर्शन में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता और समाज एक-दूसरे के पूरक हैं। राज्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में पोषण माह के दौरान गर्भवती महिलाओं, किशोरियों तथा कम वजन एवं कुपोषित बच्चों के लिए पौष्टिक आहार के महत्व के संबंध में जागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। महिलाओं का स्वास्थ्य बेहतर रहेगा, तभी परिवार सशक्त होगा। बच्चों को पर्याप्त पोषण और उचित देखभाल देकर उनके बेहतर भविष्य की नींव रखी जा सकती है। उन्होंने स्वच्छता को भी स्वस्थ जीवन का महत्वपूर्ण आधार बताते हुए कहा कि घर-परिवार और आसपास के वातावरण में साफ-सफाई रखने से अनेक बीमारियों से बचाव किया जा सकता है। उन्होंने महिलाओं से अपील की कि वे अपने आसपास की अन्य महिलाओं को भी पोषण, स्वच्छता और शासन की विभिन्न योजनाओं के प्रति जागरूक करें तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित करें।

विकसित भारत के संकल्प में सभी की भागीदारी जरूरी-राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर ने कहा कि शासन की योजनाओं को सफल बनाने में जनता की सहभागिता महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपनी भूमिका निभानी होगी। उन्होंने उपस्थित लोगों से आंगनवाड़ी केंद्रों से निरंतर जुड़े रहने तथा कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, अधिकारियों और पर्यवेक्षकों का सहयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्र केवल कार्यकर्ताओं के लिए नहीं, बल्कि महिलाओं और बच्चों के लिए हैं। अभिभावकों को समय-समय पर आंगनवाड़ी केंद्र पहुंचकर बच्चों की वृद्धि, पोषण और सीखने की प्रगति की जानकारी लेनी चाहिए तथा आवश्यकता होने पर कार्यकर्ताओं से मार्गदर्शन लेना चाहिए।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहयोगियों का सम्मान- कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट सेवाओं और आंगनवाड़ी केंद्रों में सहयोग के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती संगीता खड़से एवं गुरमीत कौर, आंगनवाड़ी सहायिका श्रीमती कामिन साहू एवं डी. महालक्ष्मी, मितानिन शकुन्तला तथा आंगनवाड़ी में सहयोग करने के लिए डुलेश्वरी को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मिलेट्स से तैयार विभिन्न व्यंजनों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। इसके माध्यम से मोटे अनाज के पोषण संबंधी महत्व और उनके उपयोग को प्रदर्शित किया गया। वहीं बच्चों के लिए न्योता भोज का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग की संचालक श्रीमती रेणुका श्रीवास्तव, जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी श्री अशोक पांडे, जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री अजय कुमार साहू सहित परियोजना अधिकारी, पर्यवेक्षक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं, स्व-सहायता समूह की महिलाएं तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं से लाभान्वित महिलाएं उपस्थित रहीं।

रायपुर गणेश झांकी को लेकर ट्रैफिक डायवर्जन

रायपुर ■ दैनन्दिनी

राजधानी रायपुर में 28 सितंबर को गणेश विसर्जन झांकी निकाला जाएगा। इसे लेकर यातायात पुलिस कमिश्नरेट रायपुर ने यातायात डायवर्जन और पार्किंग व्यवस्था जारी की है। झांकी रात 9 बजे शारदा चौक से रवाना होकर जयस्तंभ चौक, मालवीय रोड, कोतवाली चौक, सदर बाजार, कंकालीपारा चौक, पुरानी बस्ती थाना तिराहा, लाखेनगर चौक, सुंदरनगर रोड और रायपुरा चौक होते हुए महादेव घाट स्थित विसर्जन स्थल पहुंचेगी। आम नागरिकों की सुविधा और सुरक्षित यातायात व्यवस्था के मद्देनजर झांकी मार्ग पर सभी प्रकार के वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। इस मार्ग पर केवल झांकी और पैदल श्रद्धालुओं को प्रवेश की अनुमति होगी। अन्य मार्गों से आने वाले वाहन चालकों से अपील की गई है कि वे शाम 7 बजे से निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें।

इन मार्गों से कर सकेंगे आवागमन

टाटीबंध की ओर से: टाटीबंध से महोबा बाजार–चौबे कॉलोनी–समता कॉलोनी–तेलघानी नाका–रेलवे स्टेशन चौक–फाफाडीह चौक–शास्त्री चौक की ओर आवागमन किया जा सकेगा। वैकल्पिक रूप से टाटीबंध से रिंग रोड नंबर-1–पचपेड़ी नाका मार्ग का उपयोग किया जा सकेगा।

भनपुरी की ओर से: फाफाडीह चौक–रेलवे स्टेशन चौक–तेलघानी नाका होते हुए टाटीबंध की ओर या फाफाडीह चौक से शास्त्री चौक–कालीबाड़ी–पचपेड़ी नाका की ओर आवागमन किया जा सकेगा।

तेलीबांधा की ओर से: तेलीबांधा चौक से शास्त्री चौक–फाफाडीह चौक–रेलवे स्टेशन या कालीबाड़ी होकर आवागमन किया जा सकेगा।

पचपेड़ी नाका की ओर से: पचपेड़ी नाका चौक–टिकरापारा चौक–कालीबाड़ी चौक–महिला थाना–शास्त्री चौक–फाफाडीह चौक–रेलवे स्टेशन तक आवागमन किया जा सकेगा।

इन मार्गों पर रहेगा प्रतिबंध

शास्त्री चौक से जयस्तंभ चौक, आश्रम तिराहा से शारदा चौक/जयस्तंभ चौक, सुभाष नगर चौक–मौदहापारा से जयस्तंभ चौक, फायर ब्रिगेड चौक से कोतवाली, बूढ़ापारा बिजली ऑफिस चौक से कोतवाली, लाखेनगर चौक से पुरानी बस्ती थाना, बुद्धेश्वर चौक से पुरानी बस्ती थाना



तथा कंकालीपारा से सदर बाजार–कोतवाली मार्ग पर यातायात पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।

श्रद्धालुओं के लिए पार्किंग व्यवस्था

यातायात पुलिस ने अलग-अलग दिशाओं से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए पार्किंग स्थल निर्धारित किए हैं।

पंडरी की ओर से आने वालेः मल्टीलेवल पार्किंग और रजबंधा मैदान की गलियों में वाहन पार्क कर सकेंगे। सिविल लाइन की ओर से आने वालेः शास्त्री मार्केट, सीरत मैदान और सुभाष स्टेडियम के किनारे वाहन पार्क कर सकेंगे।

टिकरापारा/कालीबाड़ी की ओर से आने वालेः सप्रे शाला मैदान, इंडोर स्टेडियम और गांधी मैदान में वाहन पार्क कर सकेंगे। गुढ़ियारी/समता कॉलोनी की ओर से आने वालेः भैंसथान मैदान और जवाहर मार्केट पार्किंग का उपयोग कर सकेंगे। सुंदरनगर/रायपुरा की ओर से आने वालेः लाखेनगर चौक स्थित हिंद स्पोर्ट्स मैदान में वाहन पार्क कर सकेंगे।



जनजातीय विरासत और वनाधिकार संरक्षण को राष्ट्रीय सम्मान

नई दिल्ली ■ एजेंसी

छत्तीसगढ़ के जनजातीय कल्याण विभाग को जनजातीय विरासत के संरक्षण एवं वनाधिकारों की निरंतर सुरक्षा के क्षेत्र में किए गए अभिनव कार्यों के लिए प्रतिष्ठित SKOCH Award से सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि के लिए तत्कालीन टीम लीडर एवं प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा, IAS को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया, जिन्होंने इस दोनों परियोजना के संबंध में SKOCH Award की तीन स्तरीय प्रस्तुतीकरण प्रक्रिया में भाग लेते हुए Jury के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया और jury एवं पब्लिक वोटिंग से विभाग के प्रयासों का चयन हुआ। इस अवसर पर परियोजना से जुड़े अन्य विभागीय अधिकारी श्री बी के राजपूत, संयुक्त सचिव एवं श्रीकांत शुक्ला, ओएसडी उपस्थित रहे. विभाग को यह सम्मान दो महत्वपूर्ण पहलों 'AADI VIRASAT' और 'मोर वनाधिकार, मोर उत्तराधिकार' के लिए प्रदान किया गया। इन पहलों का चयन तीन स्तरों पर हुए प्रस्तुतीकरण एवं मूल्यांकन तथा Public Voting की प्रक्रिया के उपरांत किया गया। 'AADI VIRASAT' के तहत दो संग्रहालय यथा शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय का निर्माण किया गया है, जिसका उद्घाटन माननीय प्रधानमंत्री जी के द्वारा नवंबर 2025 को किया गया साथ ही राज्य का पहला जनजातीय संग्रहालय का भी निर्माण किया गया है, जिसका उद्घाटन माननीय मुख्यमंत्री जी के द्वारा मई 2025 में किया गयाl जनजातीय इतिहास, वीरता एवं जीवंत संस्कृति को डिजिटल तकनीक, AR/VR एवं immersive experiences के माध्यम से एकीकृत कर नई पीढ़ी से जोड़ने का अभिनव प्रयास किया गया है। वहीं, 'मोर वनाधिकार, मोर उत्तराधिकार' के माध्यम से वनाधिकार को केवल एक बार प्राप्त अधिकार न मानकर पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुरक्षित रहने वाली सतत व्यवस्था के रूप में विकसित किया गया है.

'मन की बात' में गूंजा छत्तीसगढ़ का 'हर घर मुनगा-घर-घर मुनगा' अभियान

रायपुर ■ दैनन्दिनी

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने आज नया रायपुर स्थित शासकीय निवास कार्यालय में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 138वीं कड़ी का श्रवण किया। इस दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से जुड़े विभिन्न प्रेरणादायी प्रयासों, जनभागीदारी, पोषण, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, स्थानीय उत्पादों और राष्ट्र निर्माण से जुड़े विषयों पर अपने विचार साझा किए। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में छत्तीसगढ़ के 'हर घर मुनगा-घर-घर मुनगा' अभियान का विशेष उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि सितंबर माह कुपोषण के खिलाफ जागरूकता और पोषण को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण है तथा छत्तीसगढ़ में लोगों को पौष्टिक मुनगा यानी मोरिंगा को अपने खान-पान में शामिल करने के लिए प्रेरित करने की पहल की जा रही है। मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'मन की बात' जैसे सशक्त माध्यम से छत्तीसगढ़ की 'हर घर मुनगा-घर-घर मुनगा' पहल का उल्लेख किया जाना प्रदेशवासियों के लिए गर्व और हर्ष का विषय है। यह छत्तीसगढ़ की सकारात्मक सोच, जनभागीदारी और स्थानीय संसाधनों के माध्यम से पोषण को बढ़ावा देने के प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलने का अवसर है। उन्होंने कहा कि 'मन की बात' देशभर में हो रहे जनहितकारी और प्रेरणादायी प्रयासों को देशवासियों तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम बन चुका है। इस कार्यक्रम के माध्यम से समाज के अलग-अलग वर्गों द्वारा किए जा रहे सकारात्मक कार्यों को व्यापक पहचान मिलती है और अन्य लोगों को भी ऐसे प्रयासों से जुड़ने की प्रेरणा मिलती है। श्री अग्रवाल ने कहा कि मुनगा पोषण की दृष्टि से उपयोगी स्थानीय संसाधन है। 'हर घर मुनगा-घर-घर मुनगा' अभियान के माध्यम से इसे लोगों के दैनिक खान-पान का हिस्सा बनाने के लिए जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा इस पहल का उल्लेख छत्तीसगढ़ में पोषण के प्रति जनजागरूकता और जनभागीदारी को और गति देगा। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान केवल अपनी प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत से ही नहीं, बल्कि स्थानीय संसाधनों और सामुदायिक सहभागिता से जुड़ी अनेक सकारात्मक पहलों से भी बन रही है। 'मन की बात' में इन प्रयासों की चर्चा होना प्रदेश की जमीनी पहलों को देश के व्यापक मंच से जोड़ने का अवसर है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम में देश के विभिन्न हिस्सों से सामने आने वाली प्रेरणादायी कहानियां हमें यह संदेश देती हैं कि जनभागीदारी से छोटे-छोटे प्रयास भी बड़े सामाजिक बदलाव का माध्यम बन सकते हैं। हमें अपने आसपास हो रहे सकारात्मक प्रयासों से प्रेरणा लेते हुए विकसित भारत के संकल्प में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि पोषण, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण जैसे क्षेत्रों में समाज की सहभागिता अत्यंत महत्वपूर्ण है। सामूहिक प्रयासों से ही इन अभियानों को व्यापक जनआंदोलन का स्वरूप दिया जा सकता है। उन्होंने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे स्थानीय स्तर पर होने वाली जनहितकारी पहलों से जुड़ें और जनभागीदारी की भावना को मजबूत करें।



नक्सलवाद से प्रभावित रहे क्षेत्रों में शांति के साथ खुल रहे विकास और समृद्धि के नए द्वार : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज कांकेर जिले के अंतागढ़ विकासखंड के ग्राम लामकन्हार स्थित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 138वीं कड़ी का श्रवण किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के 'हर घर मुनगा-घर-घर मुनगा' अभियान का उल्लेख किए जाने पर मुख्यमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे पूरे प्रदेश के लिए गौरव का विषय बताया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी देश के अलग-अलग हिस्सों में जनभागीदारी से हो रहे सकारात्मक बदलावों और नवाचारों को 'मन की बात' के माध्यम से राष्ट्रीय मंच प्रदान करते हैं। छत्तीसगढ़ के प्रयासों का उनके द्वारा लगातार उल्लेख किया जाना प्रदेशवासियों के परिश्रम और सहभागिता का सम्मान है। इससे हमारे स्थानीय प्रयासों को नई पहचान मिलने के साथ ही बेहतर कार्य करने की प्रेरणा भी मिलती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'हर घर मुनगा-घर-घर मुनगा' अभियान कुपोषण के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की लड़ाई को जनभागीदारी से और प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। मुनगा सहज उपलब्ध होने के साथ पोषण का महत्वपूर्ण स्रोत है। इसके पत्ते, फल और फूल भोजन में उपयोग किए जाते हैं तथा इनमें आयरन सहित अनेक पोषक तत्व पाए जाते हैं। उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों और विद्यार्थियों से अपने घरों में मुनगा का पौधा लगाने तथा इसके पोषण संबंधी लाभों के प्रति अन्य लोगों को भी जागरूक करने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' की 138वीं कड़ी में आतंकवाद के खिलाफ भारत की दृढ़ नीति, जनगणना में नागरिकों की भागीदारी, सांस्कृतिक



विरासत के संरक्षण, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, नशामुक्ति, खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन तथा 'वोकल फॉर लोकल' सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर देशवासियों से संवाद किया।

प्रधानमंत्री ने सितंबर माह को कुपोषण के विरुद्ध लड़ाई को समर्पित पोषण माह के रूप में रेखांकित करते हुए देश के विभिन्न हिस्सों में पोषण को लेकर किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख किया। इसी क्रम में उन्होंने छत्तीसगढ़ में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित 'हर घर मुनगा-घर-घर मुनगा' अभियान की चर्चा की। इस अभियान के माध्यम से लोगों को पौष्टिक मुनगा अर्थात मोरिंगा को दैनिक खान-पान का हिस्सा बनाने और इसके पौधे लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह प्रदेश के लिए गौरव का विषय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी 'मन की बात' में छत्तीसगढ़ के जनभागीदारी आधारित प्रयासों और नवाचारों को लगातार स्थान दे रहे हैं। इससे पहले बस्तर पंडुम, बस्तर ओलंपिक, मल्हार में प्राप्त ऐतिहासिक ताम्रपत्र और कोरिया जिले के '5 प्रतिशत जल संचय मॉडल' जैसे प्रयासों की प्रधानमंत्री द्वारा सराहना की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरिया जिले का '5 प्रतिशत जल संचय मॉडल' स्थानीय आवश्यकता और जनभागीदारी से निकला एक प्रभावी समाधान है। इसके अंतर्गत किसान अपने खेत के पांच प्रतिशत हिस्से में जल संचयन की व्यवस्था करते हैं। इससे आवश्यकता के समय फसलों की सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध होता है और भूजल स्तर बढ़ाने में भी सहायता मिलती है। ऐसे नवाचार बताते हैं कि स्थानीय स्तर पर जनभागीदारी से किए गए छोटे-छोटे प्रयास भी व्यापक बदलाव का आधार बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी 'मन की बात' में ऐसे कार्यों को देश के सामने लाकर उनसे जुड़े लोगों का उत्साहवर्धन करते हैं। साथ ही देश के अन्य क्षेत्रों के लोगों को भी अपने गांव, शहर और समाज में सकारात्मक परिवर्तन के लिए आगे आने की प्रेरणा मिलती है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि बस्तर के साथ कांकेर का यह क्षेत्र भी लंबे समय तक नक्सलवाद से प्रभावित रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व, केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह की दृढ़ इच्छाशक्ति, सुरक्षा बलों के जवानों के अदम्य साहस और स्थानीय जनता के सहयोग से छत्तीसगढ़ नक्सलवाद से मुक्ति की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में कभी भय और असुरक्षा का वातावरण था, वहां अब शांति, विश्वास और विकास की नई तस्वीर दिखाई दे रही है। शांति और सुरक्षा का वातावरण मजबूत होने के साथ दूरस्थ अंचलों में विकास के नए अवसर भी निर्मित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बस्तर अंचल दशकों तक विकास की मुख्यधारा से अपेक्षाकृत दूर रहा, लेकिन अब सरकार का संकल्प है कि विकास का लाभ अंतिम गांव और अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल, संचार, रोजगार और अन्य बुनियादी सुविधाओं का विस्तार तेजी से किया जा रहा है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **ब्रजेश शुक्ला** द्वारा नगर निगम कार्यालय के पीछे, मुकुटनगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं आसमां पब्लिशर्स जयस्तंभ चौक रायपुर से मुद्रित। **संपादक- ब्रजेश शुक्ला,** RNI-CHHHIN/2010/34274, फोन-0771-4059450, ई-मेल-mail2dainandini@gmail.com